



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

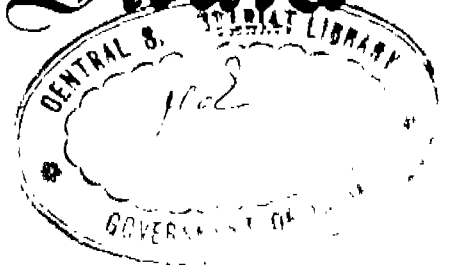
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 303]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 23, 2001/अग्रहायण 2, 1923

No. 303]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 23, 2001/AGRHAAYANA 2, 1923

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

अधिसूचना

मुम्बई, 19 नवम्बर, 2001

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया सामान्य नियमावली, 1998

सं. जेड ओ/एसईसीआई/2001-2002/463.— बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन तथा अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रयुक्त करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् तथा केन्द्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल ने एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाए हैं जो इस प्रकार हैं:—

अध्याय—1

प्रस्तावना

1. संक्षिप्त शीर्षक तथा प्रारम्भ :—

- (i) इन विनियमों को सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया सामान्य विनियमावली 1998 कहा जाएगा
- (ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र (गजट) में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन विनियमों में जब तक कि विषय या संदर्भ या उसके तात्पर्य के विरुद्ध कुछ न हो :—

- (क) "अधिनियम" से अभिप्रेत है बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन तथा अंतरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5)
- (ख) "बैंक" से अभिप्रेत है अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत गठित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
- (ग) "मंडल" से अभिप्रेत है अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत गठित निदेशक मंडल
- (घ) "अध्यक्ष" से अभिप्रेत है मंडल द्वारा गठित समिति
- (ङ) "कार्यपालक निदेशक" से अभिप्रेत है पूर्णकालिक निदेशक जो प्रबंध निदेशक नहीं है।
- (ज) "महा प्रबंधक" से अभिप्रेत है बैंक के महाप्रबंधक
- (झ) "प्रबंधन समिति" से अभिप्रेत है योजना के खंड 13 के अंतर्गत गठित समिति
- (ट) "प्रबंध निदेशक" से अभिप्रेत है बैंक का प्रबंध निदेशक
- (ठ) "रजिस्टर" से अभिप्रेत है बैंक की एक या अधिक ग्रहियों में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर तथा इसमें अधिनियम की धारा 3 की उप धारा (2जी) के अंतर्गत कम्प्यूटर फर्मापी या इत्यादि में जो गये शेयर धारकों के रजिस्टर भी सम्मिलित हैं।

- (ड) "रजिस्ट्रार" से अभिप्रेत है बैंक द्वारा निम्न कार्यों के लिए नियुक्त व्यक्ति :—
- किसी निर्गम के संबंध में निवेशकों से आवेदन स्वीकारना
 - निवेशकों से प्राप्त आवेदनों तथा राशियों का या प्रतिभूति के विक्रेता को प्रदत्त राशि राशियों का उचित रिकॉर्ड रखना
 - बैंक को निम्नलिखित कार्यों में सहायता करना
 - स्टॉक एक्सचेंज के परामर्श से प्रतिभूतियों के आबंटन का आधार निश्चित करना
 - प्रतिभूतियों के आबंटन हेतु पात्र व्यक्तियों की सूची को अंतिम रूप देना।
 - आबंटन पत्र, रिफंड ऑर्डर या प्रमाणपत्र तथा निर्गम से संबंधित अन्य दस्तावेज तैयार करना तथा प्रेषित करना तथा
 - अन्य कार्य जो समय-समय पर बैंक द्वारा सौंपे जाएंगे।
- (ढ) "योजना" से अभिप्रेत है राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन तथा विविध प्रावधान) योजना, 1970
- (ण) "शेयर" से अभिप्रेत है बैंक की शेयर पूंजी में शेयर
- (ध) "शेयर हस्तांतरण एजेंट" में निम्न समाविष्ट हैं :—
- कोई व्यक्ति जो बैंक द्वारा जारी प्रतिभूति के धारकों का रिकॉर्ड बैंक की ओर से रखता हो तथा बैंक की प्रतिभूतियों के हस्तांतरण तथा प्रतिदान (रिडेम्पशन) से संबंधित सभी मामले देखता हो, या
 - बैंक का विभाग या प्रभाग (चाहे जिस नाम से बुलाया जाए) जो उपखंड (i) में संदर्भित गतिविधियों का निष्पादन करता हो
- (द) इन विनियमों में अपरिभाषित परंतु निक्षेपागार (डिपॉजिटरीज) अधिनियम, 1996 (1996 का अधिनियम 22) में परिभाषित अध्याय-III में प्रयुक्त शब्दों तथा अभिव्यक्तियों का क्रमशः वह अर्थ होगा जो अधिनियम में दिया गया है।

अध्याय-II

शेयर तथा शेयर रजिस्टर

3. शेयरों का स्वरूप :— बैंक के शेयर चल संपत्ति होंगे तथा इन विनियमों में बताए गए अनुसार हस्तांतरणीय होंगे।
4. शेयर पूंजी के प्रकार :— अधिमान शेयर पूंजी का तात्पर्य है बैंक की शेयर पूंजी का वह भाग जो निम्नलिखित दोनों शर्तें पूरी करता हो :—
- लाभांशों के संबंध में, एक निश्चित राशि या निश्चित दर पर परिकल्पित राशि, जो आयकर मुक्त या आयकर के अधीन हो सकती है, के भुगतान का अधिमान हक होता है तथा
 - पूंजी के संबंध में, समापन होने पर या पूंजी का पुनर्भुगतान किए जाने पर प्रदत्त पूंजी या प्रदत्त समझी जाने वाली पूंजी की राशि का पुनर्भुगतान प्राप्त करने का अधिमान हक होता है या होगा चाहे निम्न में से कोई या दोनों राशियों के भुगतान का अधिमान हक है या नहीं, अर्थात्
 - खंड (ए) में विनिर्दिष्ट राशियों के संबंध में समापन या पूंजी के पुनर्भुगतान की तारीख तक अप्रयुक्त कोई राशि
 - केन्द्र सरकार की पूर्ण सहमति से मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट निश्चित प्रीमियम या किमी निश्चित पैमान पर प्रीमियम
 - इक्विटी शेयर पूंजी से अभिप्रेत है संपूर्ण शेयर पूंजी जो अधिमान शेयर पूंजी नहीं है
 - अभिव्यक्ति "अधिमान शेयर" तथा इक्विटी शेयर का तदनुसार अर्थ लगाया जाएगा
5. रजिस्टर में दर्ज किए जाने वाले विवरण :—
- अधिनियम की धारा 3 उप धारा (2एफ) के अनुसार एक शेयर रजिस्टर होगा जिसे अनुरक्षित तथा अवतन रखा जाएगा।
 - अधिनियम की धारा 3 उप धारा (2एफ) में विनिर्दिष्ट विवरणों के अतिरिक्त मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट अन्य विवरण रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे।
 - यदि किसी शेयर के संयुक्त धारक हों तो उनके नाम तथा उप विनियम (1) द्वारा अपेक्षित उनके अन्य विवरण ऐसे संयुक्त धारकों के पहले धारक के नाम के साथ जोड़े जाएंगे।

- (iv) अधिनियम की धारा 3 की उप धारा (2डी) के प्रावधानों के अधीन, भारत के बाहर निवास करने वाला शेयरधारक बैंक को भारत का कोई पता दे सकता है और ऐसा कोई भी पता रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा तथा अधिनियम तथा इन विनियमों के प्रयोजनार्थ वह उसका पंजीकृत पता माना जाएगा।
- (v) किसी न्यास (ट्रस्ट) की स्पष्ट, अव्यक्त या परिलक्षित कोई भी सूचना रजिस्टर में दर्ज नहीं की जाएगी या बैंक द्वारा स्वीकार्य नहीं होगी।

6. **शेयरों तथा रजिस्ट्रों पर नियंत्रण :**—अधिनियम तथा इन विनियमों के प्रावधानों के अधीन तथा समय-समय पर मंडल (बोर्ड) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार बैंक के मुख्य कार्यालय में रजिस्टर होगा तथा उसे अनुरक्षित रखा जाएगा और मंडल (बोर्ड) के नियंत्रणाधीन होगा और कोई व्यक्ति किसी शेयर के संबंध में शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होने का पात्र है या नहीं इसके संबंध में मंडल (बोर्ड) का निर्णय अंतिम होगा।

7. **वे पार्टियों जिन्हें शेयरधारक के रूप में पंजीकृत नहीं किया जा सकता :**—

- (i) इन विनियमों द्वारा किए गए अन्यथा प्रावधानों को छोड़कर, वे सभी व्यक्ति जो संविदा करने हेतु अक्षम हैं, शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने हेतु पात्र नहीं है तथा इस संबंध में मंडल का निर्णय निश्चायक तथा अंतिम होगा।
- (ii) फर्मों के मामले में, अलग अलग भागीदारों (पार्टनरों) के नाम में शेयर पंजीकृत किए जा सकते हैं तथा कोई भी फर्म इस प्रकार शेयर धारक के रूप में पंजीकृत किए जाने की पात्र नहीं होगी।

8. **कम्प्यूटर प्रणाली में शेयर रजिस्टर इत्यादि रखना :**—

- (i) अधिनियम की धारा 3 की उप धारा (2एफ) के अंतर्गत शेयर रजिस्टर में दर्ज किए जाने वाले तथा विनियम 5 में उल्लिखित विवरणों को मुख्य कार्यालय में रखे जाने वाले कम्प्यूटर में डिस्क, फ्लॉपी के माध्यम से या अन्यथा (इसके पश्चात् "मीडिया" कहा गया है) मैग्नेटिक/ऑप्टिकल/मैग्नेटोऑप्टिकल मीडिया में डाटा रूप में संग्रहित किया जाएगा तथा अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक या अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक द्वारा इस संबंध में विनिर्दिष्ट महाप्रबंधक की श्रेणी के किसी अधिकारी द्वारा (इसके पश्चात् "विनिर्दिष्ट अधिकारी" कहा गया है) समय-समय पर निश्चित किए गए स्थान पर बैंक अप रखा जाएगा।
- (ii) निक्षेपागार (डिपॉजिटरीज) अधिनियम, 1996 की धारा 11 के साथ पढ़ी गई अधिनियम की धारा 3बी के अंतर्गत शेयर रजिस्टर में दर्ज किए जाने वाले विवरण निर्धारित स्वरूप तथा प्रकार से इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे जाएंगे।

9. **कम्प्यूटर प्रणाली की सुरक्षा हेतु उपाय :**—

- (i) विनियम 8(i) के अनुसार जहां डाटा संग्रहित किया गया है उस प्रणाली में निर्गम के रजिस्ट्रार और/या शेयर हस्तांतरण एजेंट सहित केवल उन्हीं लोगों को प्रवेश दिया जाएगा जो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा इस संबंध में अधिकृत होंगे तथा "पासवर्ड" यदि कोई हो, और इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली उक्त व्यक्तियों की अभिरक्षा में तथा गोपनीय रखी जाएगी।
- (ii) अधिकृत व्यक्तियों द्वारा प्रवेश को कम्प्यूटर प्रणाली द्वारा लाभ में रिकॉर्ड किया जाएगा और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा इस संबंध में निर्दिष्ट अधिकारी/व्यक्ति के पास ये लॉग संरक्षित किए जाएंगे।
- (iii) शेयरधारकों के रजिस्टर में परिवर्तन करते हुए निकाले जाने योग्य मीडिया पर बैंक अप की प्रतियां ऐसे अंतरालों पर ली जाएंगी जो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएगी। इन प्रतियों में कम से कम एक प्रति ऐसे स्थान पर रखी जाएगी जो उस परिसर से भिन्न होगा जहां प्रोसेसिंग की जा रही है। यह प्रति लॉकिंग व्यवस्था सहित अग्नि-अवरोधक वातावरण में तथा आवश्यक तापमान पर संग्रहित की जाएगी। दोनों स्थानों के बैंक अप के लिए प्रवेश केवल उन्हीं व्यक्तियों को दिया जाएगा जो इस संबंध में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या विनिर्दिष्ट अधिकारी द्वारा अधिकृत होंगे। इस प्रकार अधिकृत व्यक्ति उस स्थान पर रखे गए रजिस्टर में अपने प्रवेश को हाथ से दर्ज करेंगे।
- (iv) अधिकृत व्यक्तियों का यह कर्तव्य होगा कि वे बैंक अप की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए यथोचित सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए बैंक-अप के डाटा की तुलना कम्प्यूटर प्रणाली के डाटा से करें। इस प्रक्रिया का परिणाम प्रयोजनार्थ रखे गए रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।
- (v) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के लिए यह उचित होगा कि वे तकनीकी के विकास, और/या स्थिति की आवश्यकताओं या किसी अन्य संबंधित तर्क पर ध्यान देते हुए कम्प्यूटर प्रणाली में शेयरधारकों के रजिस्टर रखे जाने के संदर्भ में अनुपालन की जाने वाली मावधानियों से संबंधित अनुदेशों, शर्तों में विशेष या सामान्य आदेश द्वारा परिवर्तन या संशोधन करें।

10. **संयुक्त धारकों के अधिकारों का प्रयोग :**—यदि कोई शेयर हो या अधिक व्यक्तियों के नाम हैं तो शेयरों के हस्तांतरण को छोड़कर, मतदान लाभांश प्राप्ति, नोटिस की तारीख तथा बैंक से संबंधित सभी या किसी मामले के संदर्भ में जिस व्यक्ति का नाम रजिस्टर में पहले होगा उसे शेयरों एकल धारक माना जाएगा।

11. रजिस्टर का निरीक्षण :—

- (i) विनियम 12 के अंतर्गत बंद रखे जाने के अलावा, रजिस्टर रखे गए स्थान पर मंडल द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन व्यवसाय के घंटों के दौरान किसी भी शेयर धारक के लिए निरीक्षण हेतु रजिस्टर निशुल्क खुला रहेगा लेकिन निरीक्षण हेतु अनुमति की अवधि प्रत्येक कार्यकारी दिवस को 2 घंटे से कम की नहीं होगी।
- (ii) कोई भी शेयरधारक रजिस्टर या कम्प्यूटर प्रिन्ट की प्रविष्टि का निशुल्क उद्घरण (एक्सट्रैक्ट) बना सकता है या यदि वह रजिस्टर के कम्प्यूटर प्रिन्ट की या उसके किसी भाग की प्रति चाहता हो तो प्रत्येक 100 शब्द या उसके आवश्यक आंशिक भाग के लिए रु. 5 की दर पर पूर्व भुगतान किए जाने पर वह उसे दी जा सकती है।
- (iii) उप विनियम (ii) में उल्लिखित किसी बात के होते हुए भी, सरकार के किमी भी विधिवत अधिकृत अधिकारी को रजिस्टर से किसी प्रविष्टि की नकल या रजिस्टर या उसके किसी भाग की प्रति प्राप्त करने का अधिकार होगा।

12. रजिस्टर बंद करना :— भारत में प्रसारित होने वाले न्यूनतम दो समाचार पत्रों में विज्ञापन द्वारा कम से कम सात दिन की पूर्व सूचना देकर बैंक किसी अवधि या अवधियों के लिए शेयरधारकों का रजिस्टर बंद कर सकता है और यह अवधि प्रत्येक वर्ष में कुल 45 दिनों से अधिक की नहीं होगी तथापि बैंक की राय में आवश्यक होने पर यह अवधि एक बार में तीन दिन से अधिक की नहीं होगी।

13. शेयर प्रमाणपत्र :—

- (i) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र पर शेयर प्रमाणपत्र संख्या, विशिष्ट संख्या, जिस संबंध में वे जारी किए गए हैं उन शेयरों की संख्या तथा जिसे जारी किए गए हैं उस शेयरधारक का नाम होगा तथा यह प्रमाणपत्र, मंडल (बोर्ड) द्वारा निर्धारित स्वरूप में होगा।
- (ii) प्रत्येक शेयर प्रमाणपत्र मंडल के प्रस्ताव के अनुसार बैंक की सामान्य मुहर के अंतर्गत जारी होगा तथा दो निदेशकों और इस प्रयोजनार्थ बोर्ड द्वारा नियुक्त किसी अन्य अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होगा।
बशर्ते निदेशकों के हस्ताक्षर मुद्रित, उत्कीर्ण (इनग्रेव) लिथोग्राफ या मंडल (बोर्ड) द्वारा निर्देशित किसी अन्य यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा अंकित (इम्प्रेस) करवाए जाएं।
- (iii) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ या अन्यथा हस्ताक्षर उसी प्रकार वैध होगा जिस, प्रकार हस्ताक्षरों के स्वयं के उचित हस्तलेख से होता है।
- (iv) कोई भी शेयर तब तक वैध नहीं होगा जब तक इस प्रकार हस्ताक्षरित नहीं होगा। इस प्रकार हस्ताक्षरित शेयर प्रमाणपत्र वैध तथा बाध्यकारी होंगे बावजूद इसके कि जिस व्यक्ति के हस्ताक्षर प्रमाणपत्र पर हैं वह व्यक्ति इसके जारी होने से पूर्व बैंक की ओर से शेयर प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत व्यक्ति नहीं रह गया हो।
- (v) यदि इस प्रकार तैयार किए गए प्रमाणपत्र पर ऊपर उप खंड (ii) में उल्लेख किए गए अनुसार किसी अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर हैं, जो प्रमाणपत्र जारी करने के समय जीवित नहीं है तो बैंक अपने लिए सर्वथा उपयुक्त समझी जाने वाली विधि के प्रमाणपत्र से ऐसे व्यक्ति के हस्ताक्षर रद्द करवा सकता है और किसी अन्य अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर करवा सकता है। इस प्रकार जारी प्रमाणपत्र वैध होगा।

14. शेयर प्रमाणपत्र जारी करना :—

- (i) किसी शेयरधारक को शेयर प्रमाणपत्र जारी करते समय मंडल (बोर्ड) के लिए यह उचित होगा कि शेयरधारक के नाम में एक अवसर पर पंजीकृत प्रत्येक 100 शेयरों के लिए एक प्रमाणपत्र के आधार पर या उसके गुणकों में प्रमाणपत्र जारी करे तथा उससे अधिक होने पर एक अतिरिक्त प्रमाणपत्र जारी करे लेकिन शेयरों की संख्या सौ से कम होनी चाहिए।
- (ii) यदि पंजीकृत किए जाने वाले शेयरों की संख्या सौ से कम हो तो सभी शेयरों के लिए एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।
- (iii) कई व्यक्तियों द्वारा धारित किसी शेयर या शेयरों के संबंध में एक से अधिक प्रमाणपत्र जारी करने के लिए बैंक बाध्य नहीं होगा तथा संयुक्त धारकों में से एक को शेयर या शेयरों हेतु प्रमाणपत्र की सुपुर्दगी ऐसी सभी संयुक्त धारकों के लिए पर्याप्त सुपुर्दगी मानी जाएगी।

15. शेयर प्रमाणपत्र का नबीकरण :—

- (i) यदि कोई शेयर प्रमाणपत्र फट गया हो या खराब हो गया हो तो ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर मंडल (बोर्ड) या उसके द्वारा विनिर्दिष्ट समिति उसे रद्द करने का आदेश दे सकती है और उसके बदले एक नया प्रमाणपत्र जारी कर सकती है।
- (ii) यदि कोई शेयर प्रमाणपत्र कथित तौर पर खो जाता है या नष्ट हो जाता है तो मंडल (बोर्ड) या उसके द्वारा विनिर्दिष्ट समिति जैसा उचित समझे वैसी जमानती या गैर-जमानती क्षतिपूर्ति और दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जाने तथा बैंक को इसकी लागत, खर्चा तथा व्ययों का भुगतान करने पर ऐसे खोए हुए या नष्ट प्रमाणपत्र के हकदार व्यक्ति को उसके बदले में प्रमाणपत्र की अनुलिपि (डुप्लीकेट) दी जा सकती है।

16. शेयरों का समेकन तथा उप-विभाजन :—

शेयर धारक (कों) द्वारा लिखित आवेदन करने पर मंडल (बोर्ड) या उसके द्वारा विनिर्दिष्ट समिति प्रस्तुत किए गए शेयरों का मामले के अनुसार समेकन या उपविभाजन कर सकती है तथा बैंक को लागत, खर्चों का भुगतान करने पर उसके बदले में नए प्रमाणपत्र जारी कर सकती है।

17. शेयरों का हस्तांतरण :—

(I) बैंक के शेयरों का हस्तांतरण यहां संलग्न फार्म "क" के रूप में संलग्न हस्तांतरण विलेख द्वारा या समय-समय पर बैंक द्वारा अनुमोदित किसी अन्य फार्म में होगा तथा यह फार्म विधिवत् स्टैम्प लगा हुआ, दिनांकित तथा संबंधित शेयर प्रमाणपत्र सहित हस्तांतरक तथा हस्तांतरिती द्वारा या उनकी ओर से निष्पादित किया हुआ होगा।

(II) हस्तांतरण विलेख के साथ शेयर प्रमाणपत्र मुख्य कार्यालय में बैंक को प्रस्तुत किया जाएगा तथा हस्तांतरक ऐसे शेयरों का तब तक धारक माना जाएगा जब तक कि हस्तांतरिती का नाम उस संबंध में शेयर रजिस्टर में दर्ज न कर लिया जाए।

(III) हस्तांतरण के पंजीकरण हेतु अनुरोध सहित शेयर प्रमाणपत्र के साथ हस्तांतरण विलेख बैंक द्वारा प्राप्त किए जाने पर मंडल (बोर्ड) या मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट समिति शेयर प्रमाणपत्र के साथ उक्त हस्तांतरण विलेख रजिस्टर और/या शेयर हस्तांतरण एजेंट को प्रेषित करेगी जिससे यह जांच की जा सके कि तकनीकी अपेक्षाओं का संपूर्णतः अनुपालन किया गया है। रजिस्ट्रार और/या शेयर हस्तांतरण एजेंट शेयर प्रमाणपत्र यदि हो, के साथ हस्तांतरण विलेख हस्तांतरिती को वापस भेज देगा।

(क) यदि बैंक को प्रस्तुत हस्तांतरण विलेख विधिवत् स्टैम्प लगा हुआ, तथा पंजीकरण हेतु उचित रूप से निष्पादित नहीं है तथा उसके साथ संबंधित शेयरों का प्रमाणपत्र और ऐसा हस्तांतरण करने के लिए हस्तांतरक के स्वामित्व को दर्शाने हेतु बैंक द्वारा अपेक्षित कोई अन्य साक्ष्य नहीं है।

(ख) हस्तांतरण विलेख द्वारा समाहित शेयरों के संबंध में हस्तांतरिती को शेयर धारक के रूप में पंजीकृत किए जाने की योग्यता के प्रति रजिस्ट्रार संतुष्ट नहीं हैं।

(IV) यदि विनियम 19 के अंतर्गत हस्तांतरण के पंजीकरण को मंडल (बोर्ड) या मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट समिति को अस्वीकार न कर दिया हो तो इसके बाद हस्तांतरण का पंजीकरण किया जाएगा।

18. हस्तांतरणों को आस्थगित करने की शक्ति रजिस्ट्रार बंद रहने की अवधि के दौरान मंडल (बोर्ड) या मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट समिति कोई पंजीकृत नहीं करेगी।

19. शेयरों के हस्तांतरण का पंजीकरण करने से इंकार करने का मंडल (बोर्ड) का अधिकार :—

(I) मंडल (बोर्ड) निम्नलिखित में से एक या अधिक कारणों से किसी शेयर का हस्तांतरण करने से इंकार कर सकता है तथा किसी अन्य कारण से इंकार नहीं कर सकता है।

(क) शेयरों का हस्तांतरण अधिनियम के प्रावधानों या उसके अंतर्गत बनाए गए विनियमों या किसी कानून का उल्लंघन है या ऐसे हस्तांतरण के पंजीकरण से संबंधित कानून के अंतर्गत किसी अन्य अपेक्षा का अनुपालन नहीं किया गया है।

(ख) मंडल (बोर्ड) की राय में शेयरों का हस्तांतरण बैंक के हितों या जनहित के प्रतिकूल है।

(ग) न्यायालय, ट्रिब्यूनल या उस समय प्रभावी किसी कानून के अंतर्गत किसी अन्य प्राधिकारी के आदेश द्वारा शेयरों का हस्तांतरण प्रतिबंधित है।

(घ) कोई व्यक्ति या कंपनी जो भारत के बाहर निवास करती है या भारत में अप्रभावी किसी कानून के अंतर्गत गठित कोई कंपनी या ऐसी कंपनी की कोई शाखा जो भारत में निवास करती हो या नहीं, हस्तांतरण अनुमत होने पर, उसके परिणाम स्वरूप बैंक के शेयरों को रखेगी या अधिग्रहित करेगी तथा ऐसा कुल निवेश प्रदत्त पूंजी के 20% से अधिक होगा या राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से केन्द्रीय सरकार द्वारा स्पष्ट किए गए अनुसार होगा।

अर्थात्, ऊपर उप-विनियम (1) (ग) में उल्लिखित इंकार करने की शक्तियों का उपयोग इस संदर्भ में मंडल (बोर्ड) द्वारा विनिर्दिष्ट समिति द्वारा किया जाए।

II हस्तांतरण के पंजीकरण के प्रयोजनार्थ बैंक शेयरों का हस्तांतरण विलेख जमा किए जाने के बाद मंडल (बोर्ड) अपनी राय बनाएगा कि उप विनियम (1) में वर्णित किसी कारण के आधार पर ऐसा पंजीकरण करने से इंकार करना चाहिए या इंकार नहीं करना चाहिए।

- (क) यदि मंडल (बोर्ड) की राय में ऐसा पंजीकरण करने से इंकार नहीं करना चाहिए तो पंजीकरण को प्रभावी कर देना चाहिए और
- (ख) यदि मंडल (बोर्ड) की राय में उपविनियम (1) में उल्लिखित किसी आधार पर ऐसा पंजीकरण रद्द किया जा सकता है तो हस्तांतरण फार्म प्राप्त होने के 60 दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचना द्वारा हस्तांतरक तथा हस्तांतरिती को सूचित करना चाहिए।

20. दिवालियापन, मृत्यु की दशा में शेयरों का प्रेषण:—

(I) यहां उल्लिखित व्यक्ति ही ऐसे शेयरों पर किसी प्रकार का स्वामित्व रखने वाले व्यक्ति के रूप में बैंक द्वारा मान्य होंगे। शेयर के संबंध में, मृत शेयर धारक के निष्पादक या प्रशासक या वसीयत प्रमाणपत्र के धारक या वसीयत सहित या बिना वसीयत संलग्न किए प्रशासन पत्र के धारक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के भाग X के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक या किसी विधिक अभिवेदन के धारक या कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पक्ष में मृत एकल धारक ने अपने जीवन काल में हस्तांतरण विलेख निष्पादित किया हो।

(II) यदि शेयर दो या अधिक शेयरधारकों के नाम में पंजीकृत हों तो यहां उल्लिखित व्यक्ति ही ऐसे शेयरों पर किसी प्रकार का स्वामित्व रखने वाले व्यक्ति के रूप में बैंक द्वारा मान्य होंगे एक उत्तरजीवी या सभी उत्तरजीवी तथा अंतिम उत्तरजीवी की मृत्यु होने पर उसके निष्पादक या प्रशासक या ऐसा कोई व्यक्ति जो वसीयत प्रमाणपत्र का धारक है या वसीयत सहित या बिना वसीयत संलग्न किए प्रशासन पत्र के धारक या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक या शेयर में ऐसे उत्तरजीवी के हित से संबंधित किसी अन्य विधिक अभिवेदन का धारक या कोई व्यक्ति जिसके पक्ष में ऐसे व्यक्ति या ऐसे अंतिम उत्तरजीवी ने अपने जीवन काल में हस्तांतरण विलेख निष्पादित किया हो।

(III) बैंक ऐसे निष्पादक या प्रशासक को मान्य करने हेतु बाध्य नहीं होगा जब तक वे सक्षम क्षेत्राधिकार के न्यायालय से मामले के अनुसार वसीयत प्रमाणपत्र या प्रशासन पत्र या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं कर लेते परंतु, यदि मंडल (बोर्ड) अपने विवेकानुसार उचित समझने पर क्षतिपूर्ति की शर्त पर या अन्यथा उचित समझने पर वसीयत प्रमाणपत्र या प्रशासन पत्र या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या ऐसा कोई अन्य विधिक अभिवेदन प्रस्तुत करने से छूट देता है तो यह मंडल के लिए विधि सम्मत होगा।

(IV) शेयर धारक की मृत्यु के परिणामस्वरूप यदि कोई व्यक्ति शेयर का हकदार बनता है या शेयर धारक के दिवालिया होने पर, धन शोषण अक्षमता या शेयर बेचे जाने के परिणामस्वरूप कोई व्यक्ति शेयर का हकदार बनता है तो मंडल द्वारा अपेक्षित प्रमाण प्रस्तुत करने पर उसे निम्न अधिकार प्राप्त होंगे:—

- (क) ऐसे शेयर के संबंध में शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होने का अधिकार
- (ख) ऐसे शेयर को इस प्रकार हस्तांतरित करने का अधिकार जैसे उस व्यक्ति द्वारा किया जाता जिससे उसने हक प्राप्त किए हैं।

21. पंजीकरण हेतु योग्य न रहने वाले शेयर धारक:— एकल रूप में या दूसरे के साथ या दूसरों के साथ संयुक्त रूप से शेयर धारक के रूप में पंजीकृत व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि इस प्रकार पंजीकृत किए जाने योग्य नहीं रहने पर इस संबंध में उसकी सूचना तुरंत मंडल को दे।

22. शेयरों पर मांग (कॉल):— शेयर धारकों द्वारा धारित शेयरों की सभी अप्रदत्त राशियां जो आबंटन की शर्तों द्वारा निश्चित समय पर अदा नहीं की गई थी, के संबंध में समय-समय पर मंडल यथोचित रूप में शेयर धारकों से मांग कर सकता है तथा प्रत्येक शेयर धारक मंडल द्वारा निर्धारित समय तथा स्थान पर प्रत्येक मांग राशि अदा करेगा। मांग राशि (कॉल) किस्तों में दी जा सकती है।

23. प्रस्ताव की तारीख से मांग (कॉल) का होना:—

कोई मांग (कॉल) उस समय की गयी मानी जाएगी जब ऐसी मांग (कॉल) को अधिकृत करने वाला प्रस्ताव मंडल (बोर्ड) द्वारा पारित किया गया होगा तथा रजिस्टर के शेयर धारकों द्वारा मांग राशि (कॉल) का भुगतान मंडल (बोर्ड) द्वारा निर्धारित किसी तारीख को या मंडल (बोर्ड) के विवेकानुसार किसी तत्पश्चात् तारीख को किया जाएगा।

24. मांग (कॉल) की सूचना:— भुगतान के समय का उल्लेख करते हुए प्रत्येक मांग (कॉल) के लिए कम से कम तीस दिन की सूचना दी जाएगी परंतु ऐसी मांग (कॉल) के भुगतान के समय से पहले शेयरधारकों को लिखित सूचना देकर मंडल मांग (कॉल) को रद्द कर सकता है।

25. मांग (कॉल) का भुगतान करने के समय का विस्तार:—

मंडल समय-समय पर तथा अपने विवेकानुसार शेयर धारकों के निवास की दूरी या किसी अन्य पर्याप्त कारण को ध्यान में रखते हुए मंडल (बोर्ड) समय-समय पर तथा अपने विवेकानुसार किसी या सभी शेयर धारकों के लिए किसी मांग (कॉल) का भुगतान करने के समय का विस्तार कर सकता है परंतु कोई भी शेयर धारक अधिकार स्वरूप ऐसे विस्तार का हकदार नहीं होगा।

26. **संयुक्त धारकों की देयताएँ :**—किसी शेयर के संयुक्त धारक संयुक्त रूप से तथा अलग-अलग उस शेयर के संबंध में सभी मांग राशि (कॉल) अदा करने के लिए उत्तरदायी होंगे।
27. **लिखित समय पर या मांग (कॉल) :**—के अनुसार किस्तों द्वारा देय राशि:—किसी शेयर के निर्गम की शर्तों के अनुसार या अन्यथा, यदि कोई राशि किसी निर्धारित समय पर या निर्धारित समयों पर किस्तों द्वारा देय है तो ऐसी प्रत्येक राशि या किस्त इस प्रकार देय होगी जैसे वह बोर्ड द्वारा यथाविधि की गई मांग (कॉल) हो तथा जिसकी उचित सूचना दी जा चुकी थी तथा मांगों (कॉल्स) के संबंध में यहां अंतर्विष्ट सभी प्रावधान ऐसी राशि या किस्त से तदनुसार सम्बद्ध होंगे।
28. **जब मांग (कॉल) या किस्त पर ब्याज देय हो :**—यदि किसी मांग (कॉल) या किस्त के संबंध में देय राशि उसके भुगतान के लिए नियुक्त तारीख को या उससे पहले अदा नहीं की गई हो या किस्त देय हो उसके उस समय के धारक या आबंटितों को भुगतान की नियुक्त तारीख से वास्तविक भुगतान तक की अवधि के लिए समय-समय पर मंडल (बोर्ड) द्वारा निर्धारित दर पर ब्याज अदा करना होगा।
29. **शेयर धारकों द्वारा मांगों (कॉल्स) का भुगतान न करना :**—कोई भी शेयर धारक को किसी लाभांश को प्राप्त करने या शेयर धारक के किसी अधिकार का प्रयोग करने का हकदार नहीं होगा जब तक कि उसके द्वारा एकल रूप में या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में धारित प्रत्येक शेयर की उस समय देय तथा अदा करने योग्य सभी मांगों (कॉल्स) ब्याज लगाए गए या प्रभारित खर्चों के साथ अदा न कर दी गई हो।
30. **मांग या किस्त का भुगतान न करने पर सूचना :**—यदि कोई शेयर धारक किसी शेयर के संबंध में मूलधन या ब्याज के रूप में किसी मांग (कॉल) या किस्त की संपूर्ण या आंशिक राशि या कोई अन्य राशि भुगतान के लिए नियुक्त तारीख को या उससे पहले अदा नहीं करता है तो मांग (कॉल) या किस्त या उसके किसी अंश के अप्रदत्त रहने या उसके संबंध में किसी अधिनिर्णय या डिक्ली के पूर्ण रूप से या आंशिक रूप में अतुष्ट रहने के दौरान बैंक किसी भी समय उपचित ब्याज तथा ऐसा भुगतान न करने के कारण बैंक द्वारा प्रदत्त या वहन किए गए सभी खर्चों (कानूनी या अन्यथा) सहित ऐसी मांग (कॉल) या किस्त या उसके अंश या अप्रदत्त राशियों का भुगतान करने के लिए ऐसे शेयर धारक या प्रेषण द्वारा शेयर के हकदार व्यक्ति को सूचना तामील कर सकता है।
31. **जब्त की सूचना :**—जब्त की सूचना में सूचना की तारीख से कम से कम चौदह दिन बाद की तारीख तथा जगह या जगहों का उल्लेख होगा जहां ऐसी मांग (कॉल) या किस्त या उसके अंश या अन्य राशियों तथा ऐसे ब्याज एवं पूर्वोक्त खर्चों का भुगतान किया जाना है। सूचना में यह भी उल्लिखित होगा कि यदि नियुक्त स्थान पर नियुक्त समय को या उससे पहले भुगतान नहीं किया जाता है तो जिस शेयर के संबंध में मांग (कॉल) की गई थी या किस्त देय है, वे शेयर जब्त किए जाने के अधीन होंगे।
32. **चूक करने पर जब्त किए जाने वाले शेयर :**—यदि पूर्वोक्त किसी सूचना की आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं किया गया तो सभी मांगों (कॉल्स) या किस्तों, ब्याज तथा खर्चों या उसके संबंध में देय राशि का भुगतान न करने के कारण वे शेयर जिनके संबंध में सूचना दी जा चुकी है, तत्पश्चात् किसी समय उससे संबंधित मंडल के प्रस्ताव द्वारा जब्त कर लिए जाएंगे। ऐसी जब्त में जब्त शेयरों के संबंध में घोषित सभी लाभांश सम्मिलित होंगे परंतु जब्त से पहले वास्तविक रूप में प्रदत्त लाभांश शामिल नहीं होंगे।
33. **रजिस्टर में जब्त की प्रविष्टि :**—जब विनियम 32 के अंतर्गत कोई शेयर जब्त किया जाता है तो तारीख सहित जब्त की प्रविष्टि रजिस्टर में की जाएगी।
34. **जब्त शेयर बैंक की संपत्ति होंगे तथा बेचे जा सकेंगे :**—इस प्रकार जब्त शेयर बैंक की संपत्ति समझे जाएंगे तथा मंडल (बोर्ड) द्वारा निर्धारित शर्तों एवं तरीके से किसी भी व्यक्ति को बेचे, पुनः आबंटित या अन्यथा निपटाए जा सकते हैं।
35. **जब्त को रद्द करने की शक्ति :**—विनियम 32 के अंतर्गत इस प्रकार जब्त शेयरों के बेचे जाने, पुनः आबंटित किए जाने या अन्यथा निपटाए जाने से पहले मंडल (बोर्ड) उपयुक्त शर्तों पर जब्त रद्द कर सकता है।
36. **जब्त के समय देय राशि तथा ब्याज अदा करने के लिए शेयरधारक उत्तरदायी :**—जब्त किए गए शेयरों के शेयरधारक जब्त के बावजूद शेयर जब्त किए जाने के समय से भुगतान किए जाने तक मंडल (बोर्ड) द्वारा विनिर्दिष्ट दर पर ब्याज सहित सभी मांगों (कॉल्स), किस्तों, ब्याज, खर्चों तथा शेयरों की या शेयरों के संबंध में देय अन्य राशियों का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी रहेंगे तथा तुरंत भुगतान करेंगे तथा मंडल (बोर्ड) संपूर्ण या उसके अंश के भुगतान को प्रवर्तित कर सकता है।
37. **आंशिक भुगतान जब्त को प्रतिबाधित नहीं करेगा :**—किसी शेयर के संबंध में मांग (कॉल्स) या देय राशियों के लिए बैंक के पक्ष में न तो किसी अधिनिर्णय या डिक्ली से न उसके अंतर्गत किसी भुगतान या समाधान से न तो मूलधन या ब्याज द्वारा किसी शेयर के संबंध में

समय-समय पर किसी शेयर धारक से प्राप्य राशि के अंश की बैंक द्वारा प्राप्ति से न ही किसी राशि के भुगतान के संबंध में बैंक द्वारा स्वीकृत किसी अनुग्रह से ऐसे शेयरों की जब्ती प्रतिबाधित नहीं होगी।

38. **शेयरों की जब्ती से बैंक के विरुद्ध सभी दावे समाप्त :—** इन विलेखों द्वारा स्पष्ट रूप से छोड़े गए अधिकारों के अतिरिक्त, शेयरों की जब्ती से, जब्ती के समय शेयर के संबंध में सभी लाभ तथा बैंक के विरुद्ध सभी दावे एवं मांग तथा शेयर से प्रासंगिक अन्य अधिकार समाप्त हो जाते हैं।
39. **बेचे जाने, पुनः निर्गमित किए जाने, पुनः आबंटित किए जाने या जब्ती के बाद बेचे जाने पर मूल शेयर अकृत और शून्य माने जाएंगे :—** बिक्री, पुनः निर्गमित, पुनः आबंटित या पूर्वोक्त विनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत बेचे गए सम्बद्ध शेयरों के संबंध में यदि बैंक द्वारा मांग किए जाने पर ब्रूककर्ता सदस्य द्वारा उन्हें पहले ही सुपुर्द न कर दिए गए हों मूल रूप से जारी प्रमाणपत्र रद्द हो जाएंगे तथा अकृत एवं शून्य हो जाएंगे तथा अन्य कोई प्रभाव नहीं रहेगा, मंडल (बोर्ड) उन शेयरों के हकदार व्यक्ति या व्यक्तियों को उक्त शेयरों के संबंध में नया प्रमाणपत्र जारी करने का हकदार होगा।
40. **जारी प्रावधानों का लागू होना :—** शेयर के निर्गम की शर्तों के अनुसार निर्धारित समय पर देय किसी राशि का भुगतान न होने पर जब्ती के संबंध में इन विनियमों के प्रावधान लागू होंगे चाहे वह राशि विधिवत् की गई मांग (कॉल) द्वारा शेयर के अंकित मूल्य या प्रीमियम के रूप में देय होती।

41. **शेयरों पर ग्रहणाधिकार (लिएन) :—(i)** बैंक का निम्नलिखित पर प्रथम एवं अन्वययी ग्रहणाधिकार (लिएन) रहेगा :—

- (क) प्रत्येक शेयर पर (जो पूर्णतः प्रदत्त शेयर नहीं है) उस शेयर के संबंध में मांगी गयी या निर्धारित समय पर देय सभी राशियों के लिए (चाहे वे वर्तमान में देय हैं या नहीं)
- (ख) एकल व्यक्ति के नाम में पंजीकृत सभी शेयरों पर (जो पूर्णतः प्रदत्त शेयर नहीं है) उसके या उसकी संपत्ति द्वारा बैंक को वर्तमान में देय सभी राशियों के लिए
- (ग) प्रत्येक व्यक्ति के नाम में पंजीकृत सभी शेयरों पर (चाहे एकल या अन्वययी के साथ संयुक्त रूप से) तथा एकल या अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से उसके ऋणों, देयताओं तथा आबन्धों के लिए शेयरों की बिक्री की प्राप्तियों पर चाहे उनके भुगतान, पालन या चुकाने की अवधि वास्तव में आ चुकी है या नहीं तथा बैंक के ग्रहणाधिकार (लिएन) पर किसी शेयर में साम्यिक हित बैंक द्वारा मान्य नहीं किया जाएगा।

बशर्त निदेशक मंडल ने किसी समय किसी शेयर को पूर्णतः या अंशतः इस खंड के प्रावधानों में छूट दी हो।

- (ii) शेयरों पर देय सभी लाभांशों पर बैंक का ग्रहणाधिकार (लिएन) यदि हो, प्रभावी रहेगा।

42. **शेयरों की बिक्री से ग्रहणाधिकार का प्रवर्तन :—**

- (i) मंडल (बोर्ड) जैसा उचित समझे उस तरीके से बैंक ऐसे शेयर बेच सकता है जिस पर कंपनी का ग्रहणाधिकार (लिएन) हो

(क) जिस राशि के संबंध में ग्रहणाधिकार है, वह राशि वर्तमान में देय है, और

(ख) जिस राशि के संबंध में ग्रहणाधिकार है तथा वर्तमान में देय है उसके भुगतान का उल्लेख एवं मांग करते हुए शेयर के उस समय पंजीकृत धारक या उसकी मृत्यु या दिवालियापन के कारण उस शेयर के हकदार व्यक्ति को दी गयी लिखित सूचना के चौदह दिन बाद

- (ii) ऐसी बिक्री को प्रभावी करने के लिए मंडल (बोर्ड) शेयर के खरीददार को बेचे गए शेयरों का हस्तांतरण करने के लिए किसी अधिकारी को प्राधिकृत कर सकता है।

43. **शेयरों की बिक्री की प्राप्तियों का उपयोग :—** विनियम 42 के अंतर्गत बेचे गए शेयरों की प्राप्तियों में से बिक्री की लागत घटाने के बाद निवल प्राप्तियों का उपयोग उस ऋण या देयता के समाधान के लिए किया जाएगा जिसके संबंध में ग्रहणाधिकार है और वर्तमान में वे जहां तक देय हैं तथा यदि कोई शेयर राशि हो तो वह बेचे गए शेयरों के शेयरधारकों या प्रेषण द्वारा हकदार व्यक्ति को अदा की जाएगी।

44. **जब्त की प्रमाण पत्र** :—ऐसे शेयरों के हकदार सभी व्यक्तियों के विरुद्ध प्रमाणपत्र में उल्लिखित तथ्यों का निश्चयायक प्रमाण वह प्रमाणपत्र होगा जो किसी निदेशक या इस संबंध में विधिवत् प्राधिकृत बैंक के किसी अधिकारी के हस्ताक्षरों सहित लिखित रूप में होगा, जिसमें यह उल्लेख होगा कि शेयर के संबंध में मांग की गई थी और शेयर की जब्त उसके संबंध में मंडल (बोर्ड) के प्रस्ताव द्वारा की गयी थी।

45. **जब्त शेयरों के खरीददार तथा आबंटिती का अधिकार** :—शेयर की बिक्री, पुनः आबंटन या उसके अन्य प्रकार से निबटाव के लिए प्रतिफल यदि कोई हो, बैंक द्वारा प्राप्त किया जा सकता है तथा वह व्यक्ति जिसे शेयर बेचे, पुनः आबंटित या प्रायोजित किए गए हैं उसे शेयर के धारक के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा वह व्यक्ति प्रतिफल का विनियोग यदि कोई हो, देखने के लिए वाध्य नहीं होगा तथा शेयर की जब्त, बिक्री, पुनः आबंटन या अन्य निपटान के संदर्भ में कार्यवाहियों में अनियमितता या अवैधता से शेयर पर उसका अधिकार प्रभावित नहीं होगा, तथा बिक्री द्वारा अपकृत किसी व्यक्ति की प्रतिविधि केवल हरजाने के रूप में और सिर्फ बैंक के विरुद्ध होगी।

46. **शेयरधारकों को सूचना या दस्तावेज की तामील** :—

- (i) बैंक किसी भी शेयर धारक को व्यक्तिगत रूप से या उसके पंजीकृत पते पर साधारण डाक द्वारा या यदि भारत में कोई पंजीकृत पता न हो तो सूचना देने के लिए उसके द्वारा दिए गए भारत के किसी पते पर सूचना या दस्तावेज तामील कर सकता है।
- (ii) जहां दस्तावेज या सूचना डाक द्वारा भेजी गयी है वहां उचित प्रकार से पता लिखने से, पूर्व भुगतान तथा दस्तावेज या सूचना सहित पत्र प्रेषित करने से ऐसे दस्तावेज या सूचना की तामील प्रभावी मानी जाएगी।
परंतु, जहां शेयरधारक ने बैंक को अग्रिम रूप में सूचित किया हो कि उसे दस्तावेज डाक प्रमाणपत्र या पावती सहित या बिना पावती के पंजीकृत डाक द्वारा भेजे जाएं और ऐसा करने में हीने वाले खर्च की अदायगी के लिए उसने पर्याप्त राशि बैंक के पास जमा की हो तो दस्तावेज या सूचना की तारीख तब तक प्रभावी नहीं मानी जाएगी जब तक कि उसे शेयरधारक द्वारा सूचित तरीके से नहीं भेजा जाता है तथा सभा की सूचना के मामले में, सूचना का पत्र डाक में प्रेषित किए जाने के बाद अड़तालिम घंटे की समाप्ति पर ही तामील प्रभावी मानी जाएगी तथा किसी अन्य मामले में उस समय मानी जाएगी जब पत्र डाक की सामान्य प्रक्रिया में सुपुर्द हो जाता है।
- (iii) बैंक के वे शेयरधारक जिनका भारत में कोई पंजीकृत पता नहीं है और जिन्होंने सूचना देने के लिए भारत का कोई पता बैंक को नहीं दिया है, ऐसे प्रत्येक शेयरधारक पर भारत में विस्तृत तौर पर प्रसारित होने वाले किसी अखबार में विज्ञापित कोई सूचना या दस्तावेज उस दिन यथाविधि तामील माने जाएंगे जिस दिन विज्ञापन प्रकाशित होगा।
- (iv) शेयर के संबंध में रजिस्टर में प्रथम नामित संयुक्त धारक पर बैंक द्वारा सूचना या दस्तावेज की तामील की जा सकती और तामील को प्रभावी बनाया जा सकता है तथा इस प्रकार की दी गयी सूचना उक्त शेयरों के सभी धारकों के लिए पर्याप्त सूचना होगी।
- (v) शेयरधारक की मृत्यु या दिवालियापन के कारण शेयर के हकदार व्यक्तियों को बैंक द्वारा सूचना या दस्तावेज की तामील उनके नाम से या मृत व्यक्ति के प्रतिनिधियों के शीर्षक से या दिवालिये के समनुदेशितियों को या इसी प्रकार के विवरण से संबोधित पूर्व प्रदत्त पत्र डाक द्वारा भारत के उस पते पर यदि कोई हो, की जाएगी जो इस प्रकार हकदार होने का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा इस प्रयोजनार्थ दिया गया हो या जब तक ऐसा पता इस प्रकार नहीं दिया जाता दस्तावेज की तामील ऐसे किसी भी प्रकार से की जाएगी जैसे मृत्यु या दिवालियापन न होने पर की जाती।
- (vi) बैंक द्वारा दी जाने वाली किसी सूचना पर हस्ताक्षर लिखित या मुद्रित हो सकते हैं।

अध्याय-III

निक्षेपागार (डिपोजिटरी) में धारित बैंक की प्रतिभूतियां

47. **निक्षेपागार तथा बैंक के बीच करारनामा** :—बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के संबंध में उनकी सेवाएं लेने के लिए बैंक एक या अधिक निक्षेपागार (डिपोजिटरी) से करार कर सकता है।
48. **सहभागी तथा निक्षेपागार के बीच करारनामा** :—
 - (i) कोई भी सहभागी निक्षेपागार के अधिकर्ता (एजेंट) के रूप में कार्य करने के लिए करार कर सकता है। जिस निक्षेपागार के साथ करार किया जाएगा वह ऐसा निक्षेपागार होगा जिसकी सेवाएं लेने के लिए बैंक विनियम 47 के अंतर्गत सहमत हुआ है।
 - (ii) बैंक का कोई भी शेयरधारक बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के संबंध में निक्षेपागार की सेवाएं लेने के लिए ऐसे निक्षेपागार द्वारा निर्धारित फार्म में सहभागी के माध्यम से निक्षेपागार के साथ करार कर सकता है।
49. **प्रतिभूति का प्रमाणपत्र सौंपना** :—
 - (i) बैंक का कोई शेयरधारक या बैंक की किसी प्रतिभूति का धारक बैंक को उस प्रतिभूति का प्रमाणपत्र सौंप देगा जिसके संबंध में उसने निक्षेपागार की सेवाएं लेने के लिए उपरोक्त विनियम 48 के अंतर्गत करार किया है।

- (ii) उपरोक्त उपनियम (i) के अंतर्गत प्रतिभूति का प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर बैंक प्रतिभूति का प्रमाणपत्र रद्द कर देगा और अपने अभिलेख में उस प्रतिभूति के संबंध में निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) का नाम पंजीकृत मालिक के रूप में दर्ज करेगा और निक्षेपागार को तदनुसार सूचित करेगा।
- (iii) उपर्युक्त विनियम (i) के अंतर्गत सूचना प्राप्त होने पर निक्षेपागार ऊपर उप नियम (i) में संदर्भित व्यक्ति का नाम अपने अभिलेख में हिताधिकारी मालिक के रूप में दर्ज करेगा।
50. **निक्षेपागार में प्रतिभूतियों के हस्तांतरण का पंजीकरण :—**
हस्तांतरण प्रभावी करने की सूचना बैंक से प्राप्त होने पर प्रत्येक निक्षेपागार हस्तांतरिती के नाम में प्रतिभूतियों का हस्तांतरण पंजीकृत करेगा।
51. **प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त करने या निक्षेपागार में प्रतिभूति रखने का विकल्प :—**
(i) बैंक द्वारा प्रस्तावित प्रतिभूतियों के लिए अभिदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त करने या निक्षेपागार में प्रतिभूति रखने का विकल्प होगा।
(ii) जब कोई व्यक्ति प्रतिभूति को निक्षेपागार में रखने का विकल्प देता है तो बैंक प्रतिभूतियों के आबंटन के विवरण की सूचना ऐसे निक्षेपागार को देगा तथा ऐसी सूचना प्राप्त होने पर निक्षेपागार अपने रजिस्टर में आबंटिती का नाम उस प्रतिभूति के हिताधिकारी मालिक के रूप में दर्ज करेगा।
52. **निक्षेपागार में प्रतिभूतियाँ समरूप स्वरूप में होंगी :—**निक्षेपागार द्वारा धारित सभी प्रतिभूतियों का भौतिक स्वरूप परिवर्तित किया जाएगा और वे समरूप स्वरूप में होंगी।
53. **हिताधिकारी मालिक के अधिकार :—**निक्षेपागार द्वारा धारित प्रतिभूतियों के संबंध में हिताधिकारी मालिक सभी अधिकारों एवं लाभ का हकदार होगा एवं सभी देयताओं के अधीन होगा।
54. **हिताधिकारी मालिक का रजिस्टर :—**
(i) प्रत्येक निक्षेपागार, निक्षेपागार द्वारा धारित बैंक की प्रतिभूतियों के संबंध में निक्षेपागार अधिनियम, 1996 या सेबी द्वारा निर्धारित स्वरूप में हिताधिकारी मालिकों की रजिस्टर एवं सूची रखेगा।
(ii) निक्षेपागार बैंक द्वारा निर्धारित अंतरालों पर अपने द्वारा रखी गयी हिताधिकारी मालिकों के रजिस्टर एवं सूची की अद्यतन प्रति बैंक को प्रस्तुत करेगा।
55. **किसी प्रतिभूति के संबंध में बाहर जाने का विकल्प :—**
(i) यदि हिताधिकारी मालिक किसी प्रतिभूति के संबंध में निक्षेपागार से बाहर जाने का विकल्प चाहता है तो वह निक्षेपागार को तदनुसार सूचित करेगा।
(ii) उपयुक्त उप विनियम (i) के अंतर्गत ऐसी सूचना प्राप्त होने पर निक्षेपागार अपने अभिलेखों में उचित प्रविष्टियाँ करेगा और बैंक को सूचित करेगा।
(iii) निक्षेपागार से सूचना प्राप्त होने से 30 (तीस) दिन के भीतर तथा भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड निक्षेपागार एवं सहभागी विनियम 1996 और/या निक्षेपागार अधिनियम 1996 की शर्तों को पूरा करने एवं निर्धारित शुल्क के भुगतान पर बैंक मामले के अनुसार हिताधिकारी मालिक या हस्तांतरिती को प्रतिभूति का प्रमाणपत्र जारी करेगा।

अध्याय -I

शेयरधारकों की सभा

56. **सामान्य वार्षिक सभा आयोजित किए जाने की सूचना :—**
(i) शेयरधारकों की सामान्य वार्षिक सभा आयोजित किए जाने की सूचना अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या कार्यपालक निदेशक या बैंक के किसी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होगी और भारत में व्यापक रूप से प्रसारित होने वाले कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में सभा की तारीख से कम से कम स्पष्ट 21 दिन पहले प्रकाशित की जाएगी।
(ii) ऐसी प्रत्येक सूचना में ऐसी सभा का समय, तारीख एवं स्थान के साथ-साथ सभा में किए जाने वाले व्यवहारों का उल्लेख होगा।
(iii) ऐसी सभा का समय एवं तारीख मंडल (बोर्ड) द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।
57. **अतिरिक्त सामान्य सभा :—**
(i) मंडल बोर्ड द्वारा निर्देशित किए जाने पर या केन्द्र सरकार से या सभी शेयरधारकों के कुरा मताधिकार का कम से कम कुल 10 प्रतिशत शेयर रखने वाले शेयरधारकों से ऐसी सभा आयोजित करने के लिए मांग प्राप्त होने पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या

उनकी अनुपस्थिति में बैंक के कार्यपालक निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में बैंक के कोई एक निदेशक शेयरधारकों की अतिरिक्त सामान्य सभा आयोजित कर सकते हैं ।

- (ii) उप-विनियम(i) में संदर्भित मांग में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा जिसके लिए अतिरिक्त सामान्य सभा आयोजित किए जाने की आवश्यकता है लेकिन उसमें समान स्वरूप के कई दस्तावेज हो सकते हैं जिसमें से प्रत्येक दस्तावेज एक या अधिक मांगकर्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित होगा ।
- (iii) जब कोई शेयर दो या अधिक व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप से धारित हों तो उनमें से एक या कुछ के द्वारा हस्ताक्षरित मांग या सभा बुलाने की सूचना इस विनियम के प्रयोजनार्थ उसी प्रकार मान्य व प्रभावी होगी जैसे वह उन सभी द्वारा हस्ताक्षरित हो ।
- (iv) अतिरिक्त सामान्य सभा का समय, तारीख एवं स्थान का निर्धारण मंडल (बोर्ड) द्वारा किया जाएगा परन्तु केन्द्र सरकार या अन्य शेयरधारक की मांग पर आयोजित की जाने वाली अतिरिक्त सामान्य सभा मांग प्राप्त होने के 45 दिनों बाद आयोजित नहीं की जा सकेगी ।
- (v) उप-विनियम (iv) के उपबन्ध में निर्धारित अवधि के भीतर अधिनियम (i) द्वारा अपेक्षित किए गए अनुसार यदि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में मामले के अनुसार कार्यपालक निदेशक सभा आयोजित नहीं करता है तो मांग की तारीख से तीन माह के भीतर मांगकर्ताओं द्वारा स्वयं सभा बुलाई जा सकती है ।
परन्तु इस विनियम की किसी भी बात से यह नहीं माना जाएगा कि उपरोक्त तीन माह की अवधि की समाप्ति से पहले यथाविधि आयोजित किसी सभा को उस अवधि की समाप्ति के बाद किसी दिन के लिए स्थगित करने से रोका जा सकता है ।
- (vi) विनियम (v) के अंतर्गत मांगकर्ताओं द्वारा बुलाई गई सभा जहां तक संभव हो, तकरीबन उसी प्रकार से बुलाई जाएगी जैसे अन्य सामान्य सभाएं मंडल (बोर्ड) द्वारा बुलाई जाती हैं ।

58. सामान्य सभा का कोरम :—

- (i) शेयर धारकों की किसी भी सभा में कोई व्यवहार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसी सभा में मत (वोट) देने के हकदार शेयरधारकों का कम से कम पांच प्रतिशत कोरम ऐसे व्यवहार के प्रारंभ के समय व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हो ।
- (ii) केन्द्र सरकार के अतिरिक्त शेयरधारकों द्वारा बुलाई गयी सभा के मामले में, यदि सभा आयोजित करने के लिए नियुक्त समय के बाद आधे घंटे के भीतर यदि कोरम उपस्थित नहीं है तो सभा विसर्जित मानी जाएगी ।
- (iii) किसी अन्य मामले में, यदि सभा आयोजित करने के लिए नियोजित समय के बाद आधे घंटे के भीतर कोरम उपस्थित नहीं है तो सभा अगले सप्ताह उसी दिन, उसी समय तथा स्थान पर या अध्यक्ष द्वारा निर्धारित ऐसे किसी अन्य दिन या अन्य समय या स्थान पर स्थगित मानी जाएगी । यदि स्थगित सभा में सभा आयोजित करने के लिए नियोजित समय से आधा घंटे के भीतर कोरम उपस्थित नहीं है तो धारक व्यक्तिगत रूप से या प्रतिपत्र द्वारा या विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित शेयरधारक ऐसी स्थगित सभा का कोरम होंगे तथा वे व्यवहार करेंगे जिसके लिए सभा बुलाई गयी थी :

परन्तु कोई सामान्य वार्षिक सभा उस तारीख से बाद की तारीख को स्थगित नहीं की जाएगी जिस तारीख के भीतर अधिनियम की धारा 10 ए (i) की शर्तों के अनुसार ऐसी सामान्य वार्षिक सभा आयोजित की जाएगी और यदि आगामी सप्ताह में उसी दिन को स्थगित सभा पर इसका प्रभाव पड़ता है तो सामान्य वार्षिक सभा स्थगित नहीं की जाएगी परन्तु यदि कोरम उपस्थित है तो सभा के लिए नियोजित समय से एक घंटे के भीतर या उस समय से एक घंटे की समाप्ति के तत्काल बाद सभा का व्यवहार प्रारंभ हो जाएगा तथा वे शेयरधारक व्यक्तिगत रूप से या प्रतिपत्र द्वारा या विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित शेयरधारक ऐसे समय पर कोरम बनाएंगी ।

59. सामान्य सभा का अध्यक्ष :—

- (i) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सामान्य तौर पर या किसी विशेष सभा के संबंध में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा प्राधिकृत कोई एक निदेशक या उसकी अनुपस्थिति में, इस संबंध में कार्यपालक निदेशक सभा के अध्यक्ष होंगे तथा यदि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या कार्यपालक निदेशक या इस संबंध में प्राधिकृत कोई अन्य निदेशक उपस्थित नहीं है तो सभा में उपस्थित किसी अन्य निदेशक को सभा का अध्यक्ष चुन सकती है ।
- (ii) सामान्य सभा का अध्यक्ष सामान्य सभाओं में प्रक्रिया को नियमित करेगा तथा शेयरधारकों द्वारा सभा को संबोधित करने के क्रम का निर्धारण करने, भाषण के लिए समय मीमा तय करने, जब उसकी राय में मामले पर पर्याप्त चर्चा हो चुकी हो तो मामले पर बंदी लागू करने तथा सभा स्थगित करने का उसे विशेष तौर पर अधिकार रहेगा ।

60. सामान्य सभा में उपस्थित रहने के हकदार व्यक्ति :—

- (i) उप विनियम (i) के प्रावधानों के अधीन सभी निदेशक तथा सभी शेयरधारक सामान्य सभा में उपस्थित रहने के हकदार होंगे ।

- (ii) सामान्य सभा में उपस्थित रहने वाले शेयरधारक जो केन्द्र सरकार नहीं हो, निदेशक को पहचान के प्रयोजनार्थ तथा अपने मताधिकार के निर्धारण के लिए एक फार्म हस्ताक्षर कर बैंक को देना होगा जिसमें निम्नलिखित से संबंधित विवरण अध्यक्ष द्वारा दिए जाएंगे:
- (क) उसका पूरा नाम तथा पंजीकृत पता
 (ख) उसके शेयरों की विशिष्ट संख्या
 (ग) क्या वह मत देने का हकदार है और उन मतों की संख्या जिनका वह व्यक्तिगत तौर पर या प्रतिपत्र द्वारा या विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में हकदार है।

61. सामान्य सभाओं में मतदान :—

- (i) किसी सामान्य सभा में, सभा के मतदान के अधीन प्रस्ताव का निर्धारण हाथ उठाकर किया जाएगा जब तक कि मतगणना की मांग न की जाए।
- (ii) अधिनियम में अन्यथा प्रावधानित को छोड़कर सामान्य सभा में प्रस्तुत प्रत्येक मामले का निर्णय बहुमत से किया जाएगा।
- (iii) प्रस्ताव को हाथ उठाकर या सर्वसम्मति से या विशेष बहुमत से मान लिए जाने संबंधी सभा अध्यक्ष की घोषणा और सभा की कार्यवाही का कार्यवृत्त दर्शानेवाली बही में इससे संबंधित प्रविष्टि, ऐसे प्रस्ताव के पक्ष या विपक्ष में डाले गए मतों की संख्या या अनुपात के सबूत बिना तथ्य का निश्चयायक प्रमाण होगा जब तक कि उप विनियम (i) के अंतर्गत मतगणना की मांग न की जाए।
- (iv) किसी प्रस्ताव पर हाथ उठाकर मतदान करने के परिणाम की घोषणा के पहले या घोषणा करने पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा स्वयं के प्रस्ताव से मतगणना का आदेश दिया जा सकता है या व्यक्तिगत रूप से या प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित किसी शेयरधारक या शेयरधारकों द्वारा इस संबंध में मांग किए जाने पर उसके द्वारा मतगणना किए जाने का आदेश दिया जाएगा तथा बैंक के शेयरधारक होने से प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार रखने वाले शेयरधारकों की संख्या प्रस्ताव के संबंध में कुल मत शक्ति से 1/5 से कम न हो।
- (v) मतगणना की मांग करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा किसी भी समय मांग वापस ली जा सकती है।
- (vi) सभा के मथगन या सभा के अध्यक्ष के चुनाव के सवाल पर मतगणना की मांग तत्काल मानी जाएगी।
- (vii) किसी अन्य सवाल पर मतगणना की मांग, सभा अध्यक्ष द्वारा निर्देशित समय पर मानी जाएगी परंतु वह समय मांग किए जाने से 48 घंटे के भीतर होगा।
- (viii) किसी व्यक्ति की मत देने की योग्यता के संबंध में तथा मतगणना के मामले में किसी व्यक्ति द्वारा प्रयुक्त किए जाने योग्य मतों की संख्या के संबंध में सभा अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

62. सामान्य सभा का कार्यवृत्त :—

- (i) बैंक सभी कार्यवाहियों का कार्यवृत्त इस प्रयोजनार्थ रखी गयी बहियों में दर्ज करेगा।
- (ii) जिस सभा में कार्यवाही की गयी हो उस सभा के अध्यक्ष द्वारा या अगली सभा के अध्यक्ष द्वारा यदि किसी सभा का कार्यवृत्त हस्ताक्षरित प्रतीत होता हो तो ऐसा कार्यवृत्त कार्यवाही का प्रमाण होगा।
- (iii) जब तक कि विपरीत निम्न न किया जाए कार्यवाहियों के इस प्रकार बताए गए कार्यवृत्त के संबंध में प्रत्येक सामान्य सभा विधिवत् बुलाई गई एवं आयोजित मानी जाएगी तथा उसमें की गयी सभी कार्यवाहियां विधिवत् की गयी मानी जाएंगी।

अध्याय V

निदेशकों का चुनाव

63. सामान्य सभा में निदेशकों का चुनाव किया जाना :—

- (i) अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (1) के अंतर्गत बैंक की साधारण सभा में केन्द्र सरकार को छोड़कर रजिस्टर में दर्ज शेयरधारकों द्वारा उनमें से ही निदेशक का चुनाव किया जाएगा।
- (ii) जब किसी सभा में निदेशक का चुनाव किया जाता है तो सभा आयोजित करने की सूचना में उसकी सूचना भी सम्मिलित की जाएगी। ऐसी प्रत्येक सूचना में चुने जाने वाले निदेशकों की संख्या तथा उन पदों के विवरण का उल्लेख होगा जिनके संबंध में चुनाव किया जाना है।

64. शेयरधारकों की सूची :—

- (i) इन विनियमों के विनियम 63 के उप-विनियम (1) के अंतर्गत निदेशक के चुनाव के प्रयोजनार्थ रजिस्टर में दर्ज उन शेयरधारकों की सूची तैयार की जाएगी जिनके द्वारा निदेशक का चुनाव किया जाता है।
- (ii) सूची में शेयरधारकों के नाम, पंजीकृत पते, शेयरों की संख्या तथा उनके निर्दिष्ट क्रमांक, शेयरों के पंजीकरण की तारीख तथा जिस सभा में चुनाव किया जाना है उसके लिए निर्धारित तारीख को उनके मतों की संख्या का उल्लेख होगा तथा सूची की प्रतियां प्रबंधन समिति के मंडल (बोर्ड) द्वारा निर्धारित कीमत पर सभा के लिए निश्चित तारीख से कम से कम तीन सप्ताह पहले मुख्य कार्यालय में आवेदन करने पर खरीदी जा सकेगी।

65. चुनाव के लिए प्रत्याशियों का नामांकन :—

- (i) निदेशक के रूप में चुने जाने के लिए किसी प्रत्याशी का कोई भी नामांकन तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि निम्नलिखित शर्तें पूरी न हों :
 - (क) वह बैंक में 100 शेयरों का शेयरधारक हो।
 - (ख) नामांकन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को अधिनियम या योजना के अंतर्गत उसे निदेशक होने के अयोग्य घोषित नहीं किया गया हो।
 - (ग) उसके द्वारा अकेले या अन्यो के साथ संयुक्त रूप से धारित शेयरों के संबंध में मांग के भुगतान के लिए निर्धारित अंतिम तारीख को या उससे पहले उसने सभी मांग (कॉल) का भुगतान कर दिया हो।
 - (घ) नामांकन लिखित रूप में हो तथा अधिनियम के अंतर्गत निदेशकों का चयन करने के लिए हकदार कम से कम एक सौ शेयरधारकों द्वारा या उनके विधिवत् नियत एटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए परंतु कंपनी के रूप में शेयरधारक द्वारा नामांकन किया गया हो तो जिस सभा में प्रस्ताव पारित हुआ तो उस सभा के अध्यक्ष द्वारा स्थापित प्रस्ताव की सत्य प्रतिलिपि बैंक के मुख्य कार्यालय को प्रेषित की जाएगी तथा ऐसी प्रतिलिपि को उस कंपनी की ओर से किया गया नामांकन माना जाएगा।
 - (ङ) नामांकन के साथ या नामांकन में न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, एश्वोरैन्सेस के रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार या अन्य राजपत्रित अधिकारी या भारतीय रिजर्व बैंक या राष्ट्रीयकृत बैंक के किसी अधिकारी के समक्ष प्रत्याशी द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा हो कि वह नामांकन स्वीकार करता है और चुनाव के लिए खड़े होने का इच्छुक है और अधिनियम या योजना या इन विनियमों के अंतर्गत उसे निदेशक बनने के अयोग्य घोषित नहीं किया गया है।
- (ii) कोई भी नामांकन तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि नामांकन के साथ सभी तरह से पूर्ण सभी संबंधित दस्तावेज सभा के लिए निर्धारित तारीख से कम से कम चौदह दिन पहले किसी कार्य दिवस को बैंक के मुख्य कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाते।

66. नामांकनों की जांच :—

- (1) नामांकन प्राप्त करने के लिए निर्धारित तारीख के बाद पहले कार्य दिवस को नामांकनों की जांच की जाएगी और यदि कोई नामांकन वैध नहीं होगा तो उसके कारणों को दर्ज करते हुए नामांकन रद्द कर दिया जाएगा चुनाव द्वारा भरे जाने के लिए किसी विशेष पद के लिए यदि केवल एक नामांकन वैध है तो इस प्रकार नामित प्रत्याशी उसी समय चुना हुआ मान लिया जाएगा तथा इस प्रकार चुने जाने के लिए उम्मीद नाम तथा पता प्रकाशित किया जाएगा। ऐसे मामले में इस प्रयोजनार्थ आयोजित सभा में कोई चुनाव नहीं होगा और यदि सभा केवल उपरोक्त चुनाव के प्रयोजनार्थ बुलाई गयी हो तो वह रद्द समझी जाएगी।
- (ii) चुनाव होने की स्थिति में यदि नामांकनों की संख्या चुने गए निदेशकों की संख्या से अधिक है तो बहुमत प्राप्त करने वाले निदेशक को निर्वाचित मान लिया जाएगा।

67. चुनाव विवाद :—

- (i) निर्वाचित घोषित या निर्वाचित समझे जाने वाले व्यक्ति की योग्यता या अयोग्यता के संबंध में या निदेशक के चुनाव के संबंध में कोई शंका या विवाद उत्पन्न होता है तो कोई भी सन्बद्ध व्यक्ति, जो प्रत्याशी या ऐसे चुनाव में मत देने का हकदार शेयरधारक हो, ऐसे चुनाव का परिणाम घोषित होने के सात दिन के भीतर बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को उसकी सूचना लिखित रूप में देगा तथा उक्त सूचना में उन सभी कारणों का संपूर्ण विवरण देगा जिसके आधार पर वह चुनाव की वैधता को शंकास्पद या विवादास्पद मानता है।
- (ii) उप विनियम (i) के अंतर्गत सूचना प्राप्त होने पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में बैंक के कार्यपालक निदेशक तत्काल ऐसी शंका या विवाद उस समिति के पास निर्णय हेतु भेजेंगे जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक तथा अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (3) खंड (ख) एवं (ग) के अंतर्गत नामित कोई दो निदेशक होंगे।
- (iii) उप-विनियम (iv) में मंदर्भित समिति आवश्यकतानुसार जांच करेगी तथा यदि समिति का यह निष्कर्ष है कि चुनाव वैध था तो वह चुनाव के घोषित परिणामों की पुष्टि करेगी तथा यदि समिति का निष्कर्ष है कि चुनाव वैध नहीं है तो जांच प्रारंभ होने के 30 दिनों के भीतर समिति को उचित लगने वाली परिस्थितियों में नए चुनाव कराने का आदेश और निर्देश समिति देगी।
- (iv) इस विनियम के अनुपालन में इस समिति का आदेश तथा निर्देश अंतिम होगा।

अध्याय -VI**शेयरधारकों के मताधिकार****68. मताधिकार का निर्धारण :—**

- (i) अधिनियम की धारा 3(2ड) के प्रावधानों के अधीन, सामान्य सभा की तारीख से पहले रजिस्ट्रार बंद होने की तारीख को शेयरधारक के रूप में पंजीकृत प्रत्येक शेयर धारक के पास ऐसी सभा में हाथ उठाने के लिए एक मत होगा तथा मतगणना के मामले में उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक मत होगा।
- (ii) धारा 3(2ड) के प्रावधानों के अधीन व्यक्तिगत रूप से या प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित उपरोक्तानुसार मत देने के हकदार प्रत्येक शेयरधारक, जो कंपनी नहीं है, के पास या कंपनी जो विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा या प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित है के पास हाथ उठाने के लिए एक मत होगा तथा मत गणना के मामले में उप विनियम (1) ऊपर उल्लेख किए गए अनुसार उसके द्वारा धारित

प्रत्येक शेयर के लिए एक मत होगा।

स्पष्टीकरण :— इस अध्याय के लिए "कंपनी" का तात्पर्य निगमित निकाय (बॉडी कॉर्पोरेट) से है।

- (iii) सामान्य सभा में उपस्थिति रहने तथा मत देने के हकदार बैंक के शेयरधारक किसी अन्य व्यक्ति (जो शेयर धारक हो या न हो) को अपने बदले उपस्थित रहने तथा मत देने के लिए अपने प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त कर सकते हैं परंतु इस प्रकार नियुक्त किसी प्रतिनिधि को सभा में बोलने का अधिकार नहीं होगा।
69. **विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान :—**
- (i) शेयरधारक यदि केन्द्र सरकार हो या कोई कंपनी हो तो वह मामले के अनुसार एक प्रस्ताव द्वारा अपने किसी अधिकारी या अन्य व्यक्ति को शेयरधारकों की सामान्य सभा में अपने प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए अधिकृत कर सकती है तथा इस प्रकार अधिकृत व्यक्ति (इन विनियमों में विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में संदर्भित) केन्द्र सरकार या जिस कंपनी का वह प्रतिनिधित्व करता है उस कंपनी की ओर से वैसी शक्ति को प्रयुक्त करने का हकदार होगा जैसे वह बैंक का कोई एकल शेयर धारक हो। दो व्यक्तियों के पक्ष में पर्यायी रूप में इस प्रकार से अनुमोदन किया जा सकता है तथा ऐसे मामले में इनमें से कोई भी व्यक्ति केन्द्र सरकार/कंपनी के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकता है।
- (ii) बैंक के शेयरधारकों की किसी सभा में कोई व्यक्ति विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित नहीं होगा या मतदान नहीं करेगा जब तक कि जिस सभा में उसे विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित हुआ था, उम सभा के अध्यक्ष द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रस्ताव की सत्यापित प्रतिनिधि सभा के लिए निर्धारित तारीख से कम से कम 4 दिन पहले बैंक के मुख्य कार्यालय में जमा न कर दी गयी हो।
70. **प्रतिनिधि (प्रॉक्सी) :—**
- (i) प्रतिनिधि के संबंध में कोई भी विलेख तब तक वैध नहीं होगा जब तक एकल शेयरधारक के मामले में, वह उसके द्वारा या लिखित रूप में विधिवत् प्राधिकृत उसके एटार्नी द्वारा या संयुक्त धारकों के मामले में वह रजिस्टर में नामित पहले शेयरधारक या लिखित रूप में विधिवत् प्राधिकृत उसके एटार्नी द्वारा या नियमित निकाय (बॉडी कॉर्पोरेट) के मामले में उसके अधिकारी या लिखित रूप में विधिवत् प्राधिकृत एटार्नी द्वारा हस्ताक्षरित न हो।
- परंतु यदि कोई शेयरधारक किसी कारण से अपना नाम लिखने में असमर्थ हो और यदि प्रतिनिधि विलेख पर उसका चिन्ह अंकित किया गया हो तथा न्यायाधीश, मैजिस्ट्रेट, रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेन्सेस या अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी या बैंक के किसी अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हो तो वह प्रतिनिधि विलेख किसी शेयरधारक द्वारा पर्याप्त रूप से हस्ताक्षरित माना जाएगा।
- (ii) कोई भी प्रतिनिधि पत्र तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि उस पर विधिवत् टिकट न लगा हो तथा उसकी एक प्रति पॉवर ऑफ एटार्नी या अन्य प्राधिकार (यदि कोई हो) जिसके अंतर्गत वह हस्ताक्षरित है या पावर ऑफ एटार्नी की प्रतियां अन्य प्राधिकार की नोटरी पब्लिक या मैजिस्ट्रेट द्वारा सत्यापित सत्य प्रतिलिपि के साथ सभा के लिए निर्धारित तारीख से कम से कम चार दिन पहले बैंक के मुख्य कार्यालय में जमा न कर दी जाए यदि ऐसी पावर ऑफ एटार्नी या अन्य प्राधिकार बैंक के पास पहले ही जमा और पंजीकृत न किया गया हो।
- (iii) प्रतिनिधि का कोई विलेख तब तक वैध नहीं होगा जब तक वह फार्म "ख" के रूप में न हो।
- (iv) बैंक के पास जमा किया गया प्रतिनिधि विलेख अप्रतिसंहार्य (इरिवोकैबल) तथा अंतिम होगा।
- (v) यदि प्रतिनिधि विलेख पर्यायी रूप में दो ग्राहियों (ग्राण्टीस) के पक्ष में दिया गया हो तो एक फार्म से अधिक निष्पादित नहीं किया जाएगा।
- (vi) इस विनियम के अंतर्गत प्रतिनिधि विलेख देने वाला उस सभा में व्यक्तिगत रूप से मत देने का हकदार नहीं होगा जिस सभा से विलेख संबंधित है।
- (vii) बैंक के अधिकारी या कर्मचारी को विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा।

फार्म "ए"

शेयर हस्तांतरण फार्म

[विनियम 17 का उपविनियम (1) देखें]

नीचे उल्लिखित प्रतिफल के लिए यहां नामित "हस्तांतरक" नीचे विनिर्दिष्ट शेयर यहां नामित "हस्तांतरितियों" को एतद्वारा उन शर्तों के अधीन हस्तांतरित करते हैं जिन शर्तों पर उक्त शेयर अब हस्तांतरक(कों) द्वारा धारित है तथा "हस्तांतरितियों" पूर्वोक्त शर्तों के अधीन उक्त शेयर स्वीकार करने और रखने के लिए एतद्वारा सहमत हैं।

बैंक का पूरा नाम

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का नाम जहां व्यवहार किया गया,
यदि कोई हो

इक्विटी शेयरों का विवरण :

सं. आंकड़ों में	संख्या शब्दों में	प्रतिफल (आंकड़ों में)	प्रतिफल (शब्दों में)
-----------------	-------------------	-----------------------	----------------------

विशिष्ट	से		
संख्याएं	तक		

संबंधित

प्रमाणपत्र सं.

हस्तांतरक(कों) विक्रेता(ओं)
का विवरणरजि.
फोलियों नं.

हस्ताक्षर

पूरा नाम

1. -----
2. -----
3. -----
4. -----

1. -----
2. -----
3. -----
4. -----

अनुप्रमाणन

मैं एतद्वारा यहा उल्लिखित हस्तांतरक(कों) के हस्ताक्षर
अनुप्रमाणित करता हूँ

हस्ताक्षर

नाम

पता/मुहर

गवाह के हस्ताक्षर

गवाह का नाम एवं पता

पिन

हस्तांतरिति(यों)

खरीददार(रों) का विवरण

हस्ताक्षर

का पूरा नाम

1. -----
2. -----
3. -----

1. -----
2. -----
3. -----

व्यवसाय

पता

पिता/पति का नाम

1.

2.

3.

नामों के समान क्रम में हस्तांतरिति(यों) का
विद्यमान फोलियों, यदि कोई हो

चिपकाए गए टिकटों का मूल्य

दिनांकित आज तारीख

माह

एक हजार नौ सौ

स्थान

केवल कार्यालयीन उपयोग हेतु जांचकर्ता

फोलियो

कंपनी कोड

हस्ताक्षर के मिलान कर्ता

हस्तांतरिति(यों)

1.

के नमूना हस्ताक्षर

2.

हस्तांतरण रजिस्टर सं. में दर्ज किया गया

3.

अनुमोदन की तारीख

अनुपालन हेतु अनुदेश :—

आवश्यकता पड़ने पर (अंगूठे का निशान, चिन्ह, हस्ताक्षर में अंतर इत्यादि) मैजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक या विशेष कार्यकारी दंडाधिकारी या अपने कार्यालय की मुहर का उपयोग करने के लिए अधिकृत सार्वजनिक कार्यालय के इसी प्रकार के अधिकारी या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य जिसके माध्यम में शेयर प्रस्तुत हुए हों या हस्तांतरक के बैंक के प्रबंधक द्वारा अनुप्रमाणन किया जाए।

नोट : नाम रबड़ की मुहर में अधिमानतः सीधी रेखा में होना चाहिए। काल क्रम को बनाए रखा जाए। जब सुपुर्दगी (डिलीवरी) समाशोधन सदस्य बैंक द्वारा दी जाए तो दलाल की समाशोधन संख्या का उल्लेख किया जाए।

सुपुर्द करने वाले दलाल का नाम

दिनांक

या समाशोधन सं.—

मुख्तारनामा/प्रोबेट/मृत्यु प्रमाणपत्र/प्रशासन पत्र
बैंक के साथ पंजीकृत सं.— तारीख-----

दलाल, बैंक, कंपनी या स्टॉक एक्सचेंज, समाशोधन
गृह के हस्ताक्षर (लघु हस्ताक्षर नहीं)

जमाकर्ता-----

पूरा पता-----

शेयर प्रमाणपत्र निम्न को वापस किया जाए

(जिसे प्रमाणपत्र वापस किया जाना है उसका नाम
एवं पता भरें)

नाम एवं पता-----

शेयर हस्तांतरण टिकट

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

फार्म "ख"

प्रतिनिधि का फार्म

[विनियम 70 का उप विनियम (iii) देखें]

फोलियो संख्या-----

(शेयर धारक द्वारा भरा जाए)

मैं/हम-----राज्य में-----जिले के निवासी जो सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का/के
शेयर धारक हूँ/हैं, एतद्वारा-----राज्य में-----जिले के निवासी श्री-----

-----को या उनके असमर्थ होने पर-----राज्य में-----जिले के निवासी श्री-----

-----को दिनांक-----माह-----19 को आयोजित होने वाली शेयर
धारकों की सभा और उसके स्थान में मेरे/हमारे लिए और मेरी/हमारी ओर से मतदान करने के लिए अपना/हमारा प्रतिनिधि नियुक्त करता हूँ/
करते हैं।

दिनांक ----- माह ----- 19 ----- को हस्ताक्षरित

नाम -----

पता -----

राज्य टिकट लगाएं

ह./- अपठनीय

(महाप्रबंधक)

[सं. विज्ञापन-3/4/असाधारण/51/2001]

CENTRAL BANK OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 19th November, 2001

CENTRAL BANK OF INDIA GENERAL REGULATIONS, 1998

No. ZO/Secy./2001-2002/463.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, the Board of Directors of Central Bank of India after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:—

CHAPTER-I.**INTRODUCTORY****1. Short title and commencement:—**

- (i) These regulations may be called Central Bank of India General Regulations, 1998.
- (ii) These regulations shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions :— In these regulations, unless there is anything repugnant to the subject or context or meaning thereof —

- (a) "Act" means the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970).
- (b) "Bank" means Central Bank of India constituted under section 3 of the Act;
- (c) "Board" means the Board of Directors constituted under section 9 of the Act;
- (d) "Chairman" means the Chairman of the Board;
- (e) "Committee" means a Committee as constituted by the Board.
- (f) "Executive Director" means the whole time Director, not being the Managing Director;
- (g) "General Manager" means General Manager of the Bank;
- (h) "Management Committee" means a Committee constituted under Clause 13 of the Scheme;
- (i) "Managing Director" means Managing Director of the Bank;
- (j) "Register" means the register of Shareholders kept in one or more books of the Bank and includes the register of Shareholders kept in Computer floppies or diskettes under sub-section (2G) of section 3 of the Act;
- (k) "Registrar" means the person appointed by the Bank for -
 - (i) collecting applications from investors in respect of an issue,
 - (ii) keeping a proper record of applications and monies received from investors or paid to the seller of the securities,
 - (iii) assisting the Bank in —
 - (a) determining the basis of allotment of securities in consultation with the stocks exchange;
 - (b) finalising the list of persons entitled to allotment of Securities,
 - (c) processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue, and
 - (iv) such other functions as assigned from time to time by the Bank,
- (l) "Scheme" means the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970;
- (m) "Share" means share in the Share Capital of the Bank,

- (n) "Share transfer agent", includes -
- (i) any person, who on behalf of the Bank maintains the records of holders of securities issued by the Bank and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities, or
 - (ii) a department or division (by whatever name called) of the Bank performing the activities referred in sub-clause (i),
- (o) Words and expressions used in Chapter III and not defined in these Regulations but defined in the Depositories Act, 1996 (Act 22 of 1996), shall have the meaning respectively assigned to them in the said Act,
- (p) Other expressions used and not defined in these regulations but used in the Act or the Scheme shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the Scheme.

CHAPTER-IV

SHARES AND SHARE REGISTER

3. Nature of shares :—The shares at the Bank shall be movable property, transferable in the manner provided under these regulations.

4. Kinds of share capital :—

- (i) Preference Share Capital means that part of share capital of the Bank which fulfills both the following conditions:—
- (A) as respects dividends, it carries a preferential right to be paid a fixed amount or an amount calculated at fixed rate, which may be either free of or subject to income tax, and
 - (B) as respects capital, it carries or will carry, on winding up or repayment of capital, a preferential right to be repaid the amount of the capital paid-up or deemed to have been paid-up, whether or not there is preferential right to the payment of either or both of the following amounts, namely:—
 - (a) any money remaining unpaid, in respect of the amounts specified in clause (A) up to the date of winding up or repayment of capital, and
 - (b) any fixed premium or premium on any fixed scale, specified by the Board with the previous consent of the Central Government.
- (ii) "Equity Share Capital" means all share capital, which is not preference share capital.
- (iii) The expressions "Preference Share" and "Equity Share" shall be construed accordingly.

5. Particulars to be entered in the register :—

- (i) A share register shall be kept, maintained and updated in accordance with sub-section (2F) of section 3 of the Act,
- (ii) In addition to the particulars specified in sub-section (2F) of Section 3 of the Act, such other particulars as the Board may specify shall be entered in the register.
- (iii) In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (i) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.
- (iv) Subject to the proviso of sub-section (2D) of sec. 3 of the Act, a shareholder resident outside India may furnish to the Bank an address in India, and any such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.
- (v) No notice of any trust, express implied or constructive, shall be entered on the register or be receivable by the Bank

6. Control over shares and registers :—Subject to the provisions of the Act and these regulations, and such directions as the Board may issue from time to time, the register shall be kept and maintained at the Head Office of the Bank and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.

7. Parties who may not be registered as shareholders :—

- (i) Except as otherwise provided by these regulations, all persons who are not competent to contract shall not be entitled to be registered as a shareholder and the decision of the Board in this regard shall be conclusive and final;

- (ii) In case of firms, shares may be registered in the names of the individual partners and no firm, as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.

8. Maintenance of share register in computer system, etc. :—

- (i) The particulars required to be entered in the share register under sub-section, (2F) of section 3 of the Act, read with those mentioned in regulation 5, shall be maintained under sub-section (2G) of section 3 of the Act, in the form of data stored in magnetic/optical / magneto-optical media by way of diskettes, floppies, cartridges or otherwise (hereinafter referred to as the "media") in computers to be maintained at the Head Office and the back up at such location as may be decided from time to time by the Chairman and Managing Director or any other official not below the rank of a General Manager designated in this behalf by the Chairman and Managing Director (hereinafter referred to as " the designated official").
- (ii) Particulars required to be entered in the share register under Sec. 3B. of the Act read with Section 11 of the Depositories Act, 1996 shall be maintained in the electronic form in the manner and in the form as prescribed therein.

9. Safeguards for protection of computer system :—

- (i) The access to the system set out in Regulation 8(i) in which data is stored shall be restricted to such persons including Registrars to an issue and/or share transfer agents as may be authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official and the passwords if any, and the electronic security control systems shall be kept confidential under the custody of the said persons,
- (ii) The access by the authorised persons shall be recorded in logs by the computer system and such logs shall be preserved with the officials/persons designated in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official.
- (iii) Copies of the back-ups shall be taken on removable media at intervals as may be specified from time to time by the Chairman and Managing Director or the designated official, incorporating the changes made in the register of shareholders. At least one of these copies shall be stored in a location other than the premises in which processing is being done. This copy shall be stored in a fire proof environment with locking arrangement and at the requisite temperature. The access to the back-ups in both the locations shall be restricted to persons authorised in this behalf by the Chairman and Managing Director or the designated official. The persons so authorised shall record the access in a manual register kept at the location
- (iv) It shall be the duty of the authorised persons to compare the data on the back-ups with that on the computer system by using appropriate software to ensure correctness of the back-up. The result of this operation shall be recorded in the register maintained for the purpose.
- (v) It shall be competent for the Chairman and Managing Director, by special or general order, to add or modify the instructions, stipulations in regard to the safeguards to be observed in maintaining the register of the shareholders in the computer system with due regard to the advancement of technology, and/or in the exigencies of situation or for any other relevant consideration.

10. Exercise of rights of joint holders :—If any share stands in the names of two or more persons, the person first named in the register shall, as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with the Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

11. Inspection of register :—

- (i) The register shall, except when closed under Regulation 12, be open to inspection of any shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Board may impose, but so that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.
- (ii) Any shareholder may make extracts of any entry in the register or computer prints free of charge or if he requires a copy or computer prints of the register or any part thereof, the same will be supplied to him on pre-payment at the rate of Rs.5/- for every 100 words or fractional part thereof required to be copied.
- (iii) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (ii), any duly authorised officer of the Government shall have the right to make a copy of any entry in the register or be furnished a copy of the register or any part thereof.

12. Closing of the register :—

The Bank may, after giving not less than seven days previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time as shall, in its opinion, be necessary.

13. Share certificates :—

- (i) Each share certificate shall bear share certificate number, distinctive numbers, the number of shares in respect of which it is issued and the name of the shareholder to whom it is issued and it shall be in such form as may be specified by the Board.
- (ii) Every share certificate shall be issued under the common seal of the Bank in pursuance of a resolution of the Board and shall be signed by two directors and some other officer appointed by the Board for the purpose
 Provided that the signature of the directors may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.
- (iii) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.
- (iv) No share certificate shall be valid unless and until it is so signed. Share Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign share certificates on behalf of the Bank.
- (v) Should the share certificate so prepared contain the signature of an authorised person, as stated in sub-clause (ii) above, who however is dead at the time of issue of the certificate, the Bank may, by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The share certificate so issued shall be valid.

14. Issue of share certificates :—

- (i) While issuing share certificates to any shareholder, it shall be competent for the Board to issue the certificates on the basis of one certificate for every hundred shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but which are less than hundred,
- (ii) If the number of shares to be registered is less than hundred, one certificate shall be issued for all the shares.
- (iii) In respect of any share or shares held jointly by several persons, the Bank shall not be bound to issue more than one certificate, and delivery of a certificate for a share or shares to one of several joint holders shall be sufficient delivery to all such holders.

15. Renewal of share certificates :—

- (i) If any share certificate is worn out or defaced, the Board or the Committee designated by it on production of such certificate may order the same to be cancelled and have a new certificate issued in lieu thereof.
- (ii) If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, the Board or the Committee designated by it on such indemnity with or without surety as the Board or the Committee thinks fit, and on publication in two newspapers and on payment to the Bank of its costs, charges and expenses, a duplicate certificate in lieu thereof may be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

16. Consolidation and sub-division of shares :—

On a written application made by the shareholder (S), the Board or the Committee designated by it may consolidate or sub-divide the shares submitted to it for consolidation/ sub-division as the case may be and issue a new certificate(s) in lieu thereof on payment to the Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter.

17. Transfer of shares :—

- (i) Every transfer of the shares of the Bank shall be by an instrument of transfer in form 'A' annexed hereto or in such other form as may be approved by the Bank from time to time, and shall be duly stamped, dated and executed by or on behalf of the transferor and the transferee alongwith the relative share certificate.

- (ii) The instrument of transfer alongwith the share certificate shall be submitted to the Bank at its Head Office and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in the share register in respect thereof.
- (iii) Upon receipt by the Bank of an instrument of transfer alongwith a share certificate with a request to register the transfer, the Board or the Committee designated by the Board shall forward the said instrument of transfer alongwith share certificate to the Registrar and/or Share Transfer Agents for the purposes of verification that the technical requirements are complied with in their entirety. The Registrar and/or Share Transfer Agent shall return the instrument of transfer alongwith the share certificate if any to the Transferee for resubmission unless:
 - (a) The instrument of transfer is presented to the Bank, duly stamped and properly executed for registration and is accompanied by the certificate of the shares to which it relates and such other evidence as the Board may require to show the title of the transferor to make such transfer.
 - (b) The Registrar is satisfied that the transferee is qualified to be registered as a shareholder of the Bank in respect of the shares covered by the instrument of transfer.
- (iv) The Board or the Committee designated by the Board shall unless it declines to register the transfer under regulation 19 hereinafter cause the transfer to be registered.

18. Power to suspend transfers :— The Board or the Committee designated by the Board shall not register any transfer during any period in which the register is closed.

19. Board's right to refuse registration of transfer of shares :—

- (i) The Board may refuse transfer of any shares in the name of the transferee on any one or more of the following grounds, and on no other grounds —
 - (a) the transfer of shares is in contravention of the provisions of the Act or regulations made thereunder or any other law or that any other requirement under the law relating to registration of such transfer has not been complied with;
 - (b) the transfer of shares, in the opinion of the Board, is prejudicial to the interests of the Bank or to public interest;
 - (c) the transfer of shares is prohibited by an order of court, Tribunal or any other authority under any law for the time being in force;
 - (d) an individual or company resident outside India or any company incorporated under any law not in force in India or any branch of such company whether resident outside India or not will on the transfer being allowed hold or acquire as a result thereof, shares of the bank and such investment in the aggregate will exceed the percentage being more than 20% (twenty) of the paid up capital or as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

Provided however, that the powers of refusal mentioned in sub-regulation (i) (c) above may be exercised by the Committee designated by the Board in this behalf.

- (ii) The Board shall, after the instrument of transfer of shares of the Bank is lodged with it for the purpose of registration of such transfer, form its opinion as to whether such registration ought or ought not to be refused on any of the grounds referred to in sub-regulation (i) —
 - (a) If it has formed the opinion that such registration ought not to be so refused, effect such registration; and
 - (b) If it has formed the opinion that such registration ought to be refused on any of the grounds mentioned in sub-regulation (i), intimate the Transferor and the Transferee by notice in writing within 60 days from the receipt of the Transfer Form.

20. Transmission of shares in the event of death, insolvency etc. :—

- (i) The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share or the holder of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, or the holder of any legal representation or a person in whose favour a valid instrument of transfer was executed by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by the Bank as having any title to such share.

- (ii) In the case of shares registered in the name of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate or any other legal representation in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of share was executed by such person and such last survivor during the latter's lifetime, shall be the only person who may be recognised by the Bank as having any title to such share.
- (iii) The Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or succession certificate, as the case may be, from a court of competent jurisdiction.

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of probate or letters of administration or succession certificate or such other legal representation, upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

- (iv) Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, bankruptcy or liquidation of a shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right,
- (a) to be registered as a shareholder in respect of such share.
- (b) to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

21. Shareholder ceasing to be qualified for registration :— It shall be the duty of any person registered as a shareholder, whether solely or jointly with another or others forthwith upon ceasing to be qualified to be so registered in respect of any share to give intimation thereof to the Board of Directors in this regard.

22. Calls on shares :— The Board may, from time to time make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, which are by the conditions of allotment not made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board, a call may be payable by instalments.

23. Calls to date from resolution :— a call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.

24. Notice of call :— A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.

25. Extension of time for payment of call :— The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholder shall be entitled to such extension as a matter of right.

26. Liabilities of joint holders :— The Joint holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.

27. Amount payable at fixed time or by instalments as calls :— If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed times, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of the calls shall relate to such amount or instalment accordingly.

28. When interest on call or instalment payable :— If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may at its discretion waive payment of such interest wholly or in part.

29. Non-payment of calls by shareholder :— No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any right of a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, as may be levied or charged.

30. Notice on non-payment of call or instalment :— If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, the Bank may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgment or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part; serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal or otherwise) that may have been paid or incurred by the Bank by reason of such non-payment.

31. Notice of Forfeiture :— The notice of forfeiture shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.

32. Shares to be forfeited on default :— If the requirements of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter for non-payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.

33. Entry of forfeiture in the register :— when any share has been forfeited under regulation 32, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.

34. Forfeited shares to be property of the Bank and may be sold:— Any share so forfeited shall be deemed to be the property of the Bank and may be sold reallocated or otherwise disposed of to any person upon such terms and in such manner as the Board may decide

35. Power to annul forfeiture :— The Board may, at any time, before any share so forfeited under regulation 32 shall have been sold, reallocated or otherwise disposed of, annul the forfeiture there upon such conditions as it may think fit.

36. Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest :— Any shareholder whose shares have been forfeited shall notwithstanding the forfeiture, be liable to pay and shall forthwith pay to the Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time of forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.

37. Partial payment not to preclude forfeiture :— Neither a judgment nor a decree in favour of the Bank for calls or other monies due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by the Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by the Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.

38. Forfeiture of share extinguishes all claims against Bank :— The forfeiture of a share shall involve extinction, at the time of the forfeiture, of all interest in and all claims and demands against the Bank, in respect of the share and all other rights incidental to the share, except only such of those rights as by these presents expressly waived.

39. Original shares null and void on sale, re-issue, re-allotment or disposal on being forfeited :— Upon any sale-re-issue, re-allotment or other disposal under the provisions of the preceding regulations, the certificate(s) originally issued in respect of the relative shares shall (unless the same shall on demand by the Bank have been previously surrendered to it by the defaulting member) stand cancelled and become null and void and of no effect, the Board shall be entitled to issue a new certificate or certificates in respect of the said shares to the person or persons entitled thereto.

40. Application of forfeiture provisions :— The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, whether on account of nominal value of the shares or by way of premium as if the same had been payable by virtue of a call duly made.

41. Lien on shares :—

- (i) The Bank shall have a first and paramount lien.
- (a) on every share (not being a fully-paid share), for all moneys (whether presently payable or not) called or payable at a fixed time, in respect of that share;

- (b) on all shares (not being fully-paid shares) standing registered in the name of a single person, for all moneys presently payable by him or his estate to the Bank.
- (c) upon all the shares registered in the name of each person (whether solely or jointly with others) and upon the proceeds of sale thereof for his debts, liabilities, and engagements, solely or jointly with any other person to or with the Bank, whether the period for the payment, fulfillment, or discharge thereof shall have actually arrived or not and no equitable interest in any share shall be recognised by the Bank over its lien:

Provided that the Board of Directors may at any time declare any share to be wholly or in part exempt from the provisions of this clause,

- (ii) The Bank's lien, if any, on a share shall extend to all dividends payable thereon.

42. Enforcing Lien by Sale of Shares :—

- (i) The Bank may sell, in such manner as the Board thinks fit, any shares on which the company has a lien;
 - (a) if a sum in respect of which the lien exists is presently payable, and
 - (b) after the expiration of fourteen days after a notice in writing stating and demanding payment of such part of the amount in respect of which the lien exists as is presently payable, has been given to the registered holder for the time being of the share or the person entitled thereto by reason of his death or insolvency.
- (ii) To give effect to any such sale, the Board may authorise some officer to transfer the shares sold to the purchaser thereof.

43. Application of proceeds of sale of shares :— The net proceeds of any sale of shares under regulation 42 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, be paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

44. Certificate of forfeiture :- A certificate in writing under the hands of any director, or any other officer of the Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made and that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

45. Title of purchaser and allottee of forfeited share ;— The Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, allotment or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, allotted or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any, nor shall his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, allotment or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against the Bank exclusively.

46. Service of a notice or document to shareholders :—

- (i) The Bank may serve a notice or a document on any shareholder either personally, or by ordinary post at his registered address or if he has no registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Bank for giving of notice to him,
- (ii) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice:

Provided that where a shareholder has intimated to the Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgement due and has deposited with the Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder. And such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post.

- (iii) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears on every shareholder of the Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Bank an address within India for giving of notice to him,

- (iv) A notice or document may be served by the Bank on the joint holder of a share by effecting service on the joint-holder named first in the register in respect of the share and notice so given shall be sufficient notice to all the holders of the said shares—
- (v) A notice or a document may be served by the Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons, claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred
- (vi) The signature to any notice to be given by the Bank may be written or printed.

CHAPTER III

SECURITIES OF THE BANK HELD IN A DEPOSITORY

47. Agreement between a depository and the Bank :— The Bank may enter into an agreement with one or more depository to avail of its services in respect of securities issued by the Bank.

48. Agreement between a Participant and the depository:-

- (i) Any participant may enter into an agreement with the depository to act as its agent. The depository with whom the agreement will be entered into will be one whose services the Bank has agreed to avail of under Regulation 47.
- (ii) Any shareholder of the Bank may through the participant enter into an agreement with the depository in the form specified by such depository for availing its services in respect of securities issued by the Bank,

49. Surrender of certificate of security :—

- (i) Any shareholder or holder of any security of the Bank who has entered into an agreement under regulation 48 above, shall surrender the certificate of security in respect of which he seeks to avail the service of a depository to the Bank.
- (ii) The Bank on receipt of the certificate of security under sub-regulation (i) above, shall cancel the certificate of security and substitute in its record the name of the depository as a registered owner in respect of that security and inform the depository accordingly.
- (iii) A depository shall, on receipt of information under sub-regulation (ii) above, enter the name of the person referred to in sub-regulation (i) above, in its records as the beneficial owner.

50. Registration of transfer of securities with depository :— Every depository shall on receipt of intimation to effect transfer from the Bank, register the transfer of securities in the name of the transferee.

51. Option to receive security certificate or to hold the security held with a depository :-

- (i) Every person subscribing to securities offered by the Bank, shall have option either to receive security certificate or hold the security with the depository.
- (ii) When a person opts to hold security with the depository the Bank shall intimate such depository details of allotment of securities and on receipt of such information, the depository shall enter in its register, name of the allottee as the beneficial owner of that security

52. Securities in depository to be in a fungible form :— All securities held by the depository shall be dematerialised and shall be in a fungible form.

53. Rights of beneficial owner :—The beneficial owner shall be entitled to all the rights and benefits and be subjected to all the liabilities in respect of his securities held by the depository.

54. Register of Beneficial Owner :

- (i) Every depository shall maintain a register and an index of beneficial owners in such form as may be prescribed under the Depositories Act., 1996 or by SEBI in respect of securities of the Bank held by the Depository.

- (ii) The depository shall furnish to the Bank at such intervals as may be prescribed by the Bank, an updated copy of the register and index of the beneficial owners maintained by it.
- 55. Option to opt out in respect of any securities :—**
- (i) If the beneficial owner seeks to opt out from the depository in respect of any security, he shall inform the depository accordingly.
 - (ii) The depository shall on receipt of such intimation under sub-regulation (i) above make appropriate entries in its records and shall inform the Bank.
 - (iii) The Bank shall within 30 (thirty) days of the receipt of intimation from the depository and on fulfillment of such conditions and on payment of such fees as may be specified in the SEBI Depositories & Participants Regulations, 1996 and/or the Depositories Act, 1996 issue a certificate of security to the beneficial owner or the transferee as the case may be.

CHAPTER IV

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

56. Notice convening an Annual General Meeting

- (i) A notice convening an annual general meeting of the shareholders signed by the Chairman and Managing Director or Executive Director or any authorised official of the Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.
- (ii) Every such notice shall state the time, date and place of such meeting, and also the business that shall be transacted at that meeting.
- (iii) The time and date of such meeting shall be as specified by the Board. The meeting shall be held at the place of Head Office of the Bank.

57. Extraordinary General Meeting :—

- (i) The Chairman & Managing Director or in his absence the Executive Director of the Bank or in his absence any one of the Directors of the Bank may convene an Extra Ordinary General Meeting of shareholders if so directed by the Board or on a requisition for such a meeting having been received either from the Central Government or from other shareholders holding shares, carrying, in the aggregate, not less than ten percent of the total voting rights of all the shareholders.
- (ii) The requisition referred in sub-regulation (i) shall state the purpose for which the Extra Ordinary General Meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.
- (iii) Where two or more persons hold any shares jointly, the requisition or a notice calling a meeting, signed by one or some of them shall for the purpose of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.
- (iv) The time, date and place of the Extra Ordinary General Meeting shall be decided by the Board:
Provided that the Extra Ordinary General Meeting convened on the requisition by the Central Government or other shareholder shall be convened not later than 45 days of the receipt of the requisition.
- (v) If the Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (i), within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (iv), the meeting may be called by the requisitionist themselves within three months from the date of the requisition :
Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly convened before the expiry of the period of three months aforesaid, from being adjourned to some day after the expiry of that period.
- (vi) A meeting called under sub-regulation (v) by the requisitionist shall be called in the same manner, as nearly as possible as that in which the other general meetings are called by the Board.

58. Quorum of general meetings—

- (i) No business shall be transacted at any meeting of the shareholders unless a quorum of at least five shareholders entitled to vote at such meeting in person are present at the commencement of such business.
- (ii) If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, in the case of a meeting called by a requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.
- (iii) In any other case if within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the Chairman may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called:

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of section 10A(1) of the act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

59. Chairman at general meeting :—

- (i) The Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director or in his absence such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director in this behalf, shall be the chairman of the meeting and if the Chairman and Managing Director or the Executive Director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.
- (ii) The chairman of the general meeting shall regulate the procedure at general meetings and in particular shall have power to decide the order in which the shareholders may address the meeting to fix, a time limit for speeches, to apply the closure, when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed and to adjourn the meeting.

60. Persons entitled to attend general meetings :—

- (i) All directors and all shareholders of the Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (ii), be entitled to attend a general meeting.
- (ii) A shareholder (not being the Central Government) or a Director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Bank a form to be specified by the chairman containing particulars relating to—
 - (a) his full name and registered address;
 - (b) the distinctive numbers of his shares;
 - (c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

61. Voting at general meetings :—

- (i) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded be decided on a show of hands.
- (ii) Save as otherwise provided in the Act every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.
- (iii) Unless a poll is demanded under sub-regulation (i), a declaration by the Chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried either unanimously or by a particular majority and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings, shall be conclusive evidence of the fact, without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of, or against, such resolution.

- (iv) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand made in that behalf by any shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding shares in the Bank which confer a power to vote on the resolution not being less than one fifth of the total voting power in respect of the resolution.
- (v) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.
- (vi) A poll demanded on a question of adjournment or election of chairman of the meeting shall be taken forthwith.
- (vii) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.
- (viii) The decision of the chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

62. Minutes of general meetings :—

- (i) The Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose.
- (ii) Any such minutes, if purporting to be signed by the chairman of the meeting at which the proceedings were held, or by the chairman of the next succeeding meeting shall be evidence of the proceedings.
- (iii) Until the contrary is proved, every general meeting in respect of the proceedings hereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.

CHAPTER V

ELECTION OF DIRECTORS

63. Directors to be elected at general meeting :—

- (i) A director under clause (i) of Sub-section (3) of Section 9 of the Act shall be elected by the shareholders on the register, other than the Central Government, from amongst themselves in the general meeting of the Bank.
- (ii) Where an election of a director is to be held at any general meeting, the notice thereof shall be included in the notice convening the meeting. Every such notice shall specify the number of directors to be elected and the particulars of vacancies in respect of which the election is to be held.

64. List of shareholders :—

- (i) For the purpose of election of a director under Sub-regulation (1) of Regulation 6.3 of these regulations, a list shall be prepared of shareholders on the register by whom the director is to be elected.
- (ii) The list shall contain the names of the shareholders, their registered addresses, the number and denoting numbers of shares held by them with the dates on which the shares were registered and the number of votes to which they will be entitled on the date fixed for the meeting at which the election will take place and copies of the list shall be available for purchase at least three weeks before the date fixed for the meeting at a price to be fixed by the Board of the Management Committee, on application at the Head Office.

65. Nomination of candidates for election :—

- (i) No nomination of a candidate for election as a director shall be valid unless,
 - (a) he is a shareholder holding 100 shares in the Bank;
 - (b) he is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under the Act or under the Scheme;
 - (c) he has paid all calls in respect of the shares of the Bank held by him, whether alone or jointly with others, on or before the last date fixed for the payment of the call.

- (d) the nomination is in writing signed by at least one hundred shareholders entitled to elect directors under the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a company may be made by a resolution of the directors of the said company and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall be despatched to the Head Office of the Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such company;
- (e) the nomination accompanies or contains a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Gazetted Officer or an officer of the Reserve Bank of India or any nationalised bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified either under the Act or the Scheme or these regulations from being a director.
- (ii) No nomination shall be valid unless it is received with all the connected documents complete in all respects and received, at the Head Office of the Bank on a working day not less than fourteen days before the date fixed for the meeting.

66. Scrutiny of nominations :—

- (i) Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election it shall stand cancelled.
- (ii) In the event of an election being held, if valid nominations are more than the number of directors to be elected the candidate polling the majority of votes shall be deemed to have been elected.
- (iii) A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

67. Election disputes :—

- (i) If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election give intimation in writing thereof to the Chairman and Managing Director of the Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.
- (ii) On receipt of an intimation under sub-regulation (i), the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director of the Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director and any two of the directors nominated under clauses (b) and (c) of Sub-section (3) of Section 9 of the Act.
- (iii) The committee referred to in sub-regulation (ii) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared result of the election or, if it finds that the election was not a valid election it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.
- (iv) An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

CHAPTER VI

Voting Rights of Shareholders

68. Determination of voting rights :—

- (i) Subject to the provisions contained in section 3(2E) of the Act, each shareholder who has been registered as a shareholder on the date of closure of the register prior to the date of a general meeting shall, at such meeting, have one vote on show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him.
- (ii) Subject to the provisions contained in Section 3(2E) of the Act, every shareholder entitled to vote as aforesaid who, not being a company, is present in person or by proxy or who being a company is present by a duly authorised representative or by proxy shall have one vote on a show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him as stated hereinabove in sub-regulation (1).

Explanation—For this Chapter, “Company” means any body corporate.

- (iii) Shareholders of the Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

69. Voting by duly authorised representative :—

- (i) A shareholder, being the Central Government or a company, may by a resolution, as the case may be, authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a “duly authorised representative” in these regulations) shall be entitled to exercise the same powers on behalf of the Central Government or company which he represents, as if he were an individual shareholder of the Bank. The authorisation so given may be in favour of two persons in the alternative and in such a case any one of such persons may act as the duly authorised representative of the Central Government/company.
- (ii) No person shall attend or vote at any meeting of the shareholders of the Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the meeting.

70. Proxies :—

- (i) No instrument of proxy shall be valid unless, in the case of an individual shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing, or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate signed by its officer or an attorney duly authorised in writing:

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who is, for any reason, unable to write his name, if his mark is affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government Gazetted Officer or an Officer of the Bank.

- (ii) No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power of attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with the Bank.
- (iii) No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form “B”.
- (iv) An instrument of proxy deposited with the Bank shall be irrevocable and final.
- (v) In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.
- (vi) The grantor of an instrument of proxy under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.
- (vii) No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of the Bank.

CENTRAL BANK OF INDIA
FORM 'A'
SHARE TRANSFER FORM

[See sub-regulation (i) of regulation 17]

FOR the Consideration stated below the "Transferor(s)" named do hereby transfer to the "Transferee(s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor(s) and the Transferee(s) do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the condition aforesaid.

Full Name of the Bank	Name of the recognised : Stock Exchange, where dealt in, if any
-----------------------	--

Description of Equity Shares		Consideration (in figures)	Consideration (In Words)
No. in Figures	Number in words		

Distinctive Numbers	From To		
------------------------	------------	--	--

Corresponding Certificate Nos.		
Transferor(s) [Seller(s)] Particulars	Regd. Folio No.	Signature(s)
Name(s) in full	1. _____ 2. _____ 3. _____ 4. _____	1. _____ 2. _____ 3. _____ 4. _____

ATTESTATION

I hereby attest the signature of the Transferor(s)
herein mentioned

Signature

Name

Address/Seal

Signature of witness

Name and address of witness

PIN _____

Transferee(s) Name(s) in full	[Buyer(s)] particulars	Signature(s)
	1. _____ 2. _____ 3. _____	1. _____ 2. _____ 3. _____

Occupation	Address	Father's/Husband's Name
1.		
2.		
3.		

Transferee(s) existing Folio if any, _____ Value of Stamps affixed Rs _____
in same order of Names _____

Date d this _____ day of _____ one thousand Nine Hundred _____
Place _____

For office use only	Folio	Company Code
Checked by _____	Specimen signature(s)	1. _____
Signatures tallied by _____	of Transferee(s)	2. _____
Entered in Register of _____		3. _____
Transfer No. _____		
Approval Date _____		

Instruction for attestation :

Attestation, where required (thumb impressions, marks, signature difference etc.) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

Note : Names must be rubber stamped preferably in a straightline. Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

Name of delivering date/
broker or Clearing member

Power of Attorney/Probate/Death

Certificate/Letters of Administration

Registered with the Bank No. _____ Date _____

(Signature (not initials) of broker, Bank, Company or Stock Exchange Clearing House)

Lodged by . _____

Full Address : _____

Share Certificate to be Returned to
(Fill in the name and address to which the certificates are required to be returned)

Name & Address : _____

Share Transfer Stamps

CENTRAL BANK OF INDIA**FORM 'B'****FORM OF PROXY**

[See sub-regulation (iii) of regulation 70]

Folio No. _____

(To be filled in by the shareholder)

I/we, resident of _____ in the district of _____
in the State of _____ being a shareholder/shareholders of the Central Bank of India
hereby appoint Shri _____ resident of _____ in the
district of _____ in the State of _____ or failing
him, Shri _____ resident of _____ in the
district of _____ in the State of _____ as
my/our proxy to vote for me/us and on my/our behalf at the meeting of the shareholders of the Central Bank of India to be
held on the _____ day of _____ 19. _____, and at any adjournment thereof.

Signed this _____ day of _____ 19_____.

Name : _____

Address : _____

Affix Revenue Stamp

[No. ADVT-3/4/Extra Ordinary/51/2001]

Sd/- Illegible
(General Manager)